दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

पटना से प्रकाशित
अंक: 160
वर्ष : 04
मूल्य : 02
पृष्ठ : 06

गुरुवार, 13 फरवरी 2025
दैनिक हिन्दी डिजिटल अखबार
web_dainikbiharpatrika.com

सुविचार

संघर्ष कभी समाप्त नहीं होता,
उससे दो दो हाथ हर दिन करना जरुरी है !

विद्यापतिनगर में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर झूमे श्रद्धालु

माघी पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने की पूजा-अर्चना, पूरे क्षेत्र में दिखा भक्ति का माहौल

दैनिक बिहार पत्रिका

विद्यापतिनगर के मऊ बाजार में श्री लक्ष्मी-नारायण वार्षिकोत्सव यज्ञ के उपलक्ष्य में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान पूरे कथा पंडाल में भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने 'नंद के घर आनंद भयो... जय कन्हैया लाल की...' जैसे भक्ति गीतों पर झूमते हुए श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का उत्सव मनाया।

श्रीधाम वृंदावन से आई कथा व्यास साध्वी खुशबू किशोरी ने अपने प्रवचन में कहा कि श्रीमद्भागवत कथा में ही जीवन का सार छिपा है। इसके श्रवण मात्र से मानव का कल्याण हो सकता है और उसे पापों से मुक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अशांति, उपद्रव और असहिष्णुता बढ़ रही है, जिससे मन और चित्त व्यथित रहता है। ऐसे में भागवत कथा का अनुसरण करने से शांति प्राप्त होती है। इससे पहले, यज्ञाचार्य के निर्देशन में मुख्य यजमान राधिका शर्मा एवं गौतम शर्मा ने व्यासपीठ पूजन किया। तत्पश्चात गणेश वंदना,हनुमान चालीसा एवं भागवत भगवान की आरती के साथ कथा की विधिवत शुरुआत हुई। समिति के द्वारा जन्मोत्सव की भव्य तैयारियां की गई थीं। संगीतमय प्रस्तुति, कलाकारों के नृत्य एवं आकर्षक

झांकियों ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया।

माघी पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

मंगलवार को माघी पूर्णिमा के अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मंदिर एवं यज्ञशाला में पूजा-अर्चना की। गंगा स्नान के बाद बड़ी संख्या में महिलाओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की और विधिवत पूजा संपन्न की। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए विशेष व्यवस्थाएं की थीं।

इससे पूर्व, यज्ञाचार्य के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मुख्य यजमान राजेश जायसवाल, नवीन सिंह, विनोद झा, राज देव राय तथा प्रेम कुमार साह ने यज्ञ भगवान का पूजन एवं हवन किया। इस अवसर पर सुजीत कुमार गुप्ता, योगेन्द्र साह, विनोद कुमार साह, रमेश कुमार साह, सुनील कुमार साह, सुधीर कुमार साह, अनिल कुमार राय, यज्ञ के आचार्य पंडित राजेश झा, दुर्गेश पाण्डेय, अभिषेक पाठक, अजित कुमार सहित कई श्रद्धालु एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

भक्ति और आध्यात्मिकता का संगम बना विद्यापतिनगर

पूरे क्षेत्र में इन दिनों तीर्थधाम जैसा दृश्य देखा जा रहा है। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, भागवत कथा और माघी पूर्णिमा के पावन संगम ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया है। हर दिन सैकड़ों श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंच रहे हैं, जिससे पूरा क्षेत्र ₹राधे-राधे₹ की गूंज से अनुगुंजित हो उठा है।

सदर अस्पताल में अव्यवस्था पर भड़के खगड़िया सांसद

लापरवाह कर्मियों को दी चेतावनी

दैनिक बिहार पत्रिका। कृष्णा टेकरीवाल

खगड़िया सांसद राजेश वर्मा ने मंगलवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया, जहां प्रसव वार्ड में डॉक्टरों की गैरमौजूदगी देख वे नाराज हो गए। अस्पताल में एक सप्ताह से मैनेजर की अनुपस्थिति और चिकित्सा उपाधीक्षक (DS) की लापरवाही पर उन्होंने जमकर फटकार लगाई। निरीक्षण के दौरान सांसद ने कहा कि 'अगर प्रसूता की मौत होती है तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा? 'उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार की छवि खराब करने वाली इस लापरवाही को बर्दाश्त

औचक निरीक्षण में डॉक्टर नदारद, सांसद ने चिकित्सा उपाधीक्षक की लगाई क्लास

नहीं किया जाएगा और दोषी कर्मियों पर जल्द कार्रवाई होगी। सांसद ने अस्पताल प्रशासन को सांसद प्रतिनिधियों के साथ सहयोगात्मक व्यवहार करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि रोगियों की मदद के लिए सांसद प्रतिनिधि आएं तो उन्हें रोका न जाए। उन्होंने अस्पताल कर्मियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे लापरवाही छोड़कर जिम्मेदारी से काम करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

खगड़िया में बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत, दो घायल

दैनिक बिहार पत्रिका।खगड़िया

महेशखूंट थाना क्षेत्र के गौछारी गांव के पास मंगलवार देर रात बस की टक्कर से बाइक सवार 45 वर्षीय रधु शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक मंगा झिलोरिया गांव निवासी थे, जबकि घायल परबत्ता थाना क्षेत्र के करना गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना के बाद महेशखूंट पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया, वहीं घायलों को इलाज के लिए बेगूसराय रेफर किया गया। ग्रामीणों के अनुसार, दो बाइक पर सवार चार लोग परबत्ता प्रखंड जा रहे थे, तभी एनएच-31 पर एक तेज रफ्तार बस ने टक्कर मार दी। थानाध्यक्ष मिथलेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है। जिला परिषद सदस्य चंदन कुमार और मुखिया मनेलाल ने गोगरी सीओ से मृतक के आश्रित को अनुग्रह राशि देने की मांग की है।

दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक पंजवारा से ऋण न चुकाने पर तीन ऋणी गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/ब्रजेश राठौर

पंजवारा/बांका। दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक की पंजवारा शाखा से ऋण लेकर उसे न चुकाने के मामले में मंगलवार रात धोरैया पुलिस द्वारा तीन ऋणियों को पीडीआर (सार्वजनिक ऋण वसूली) iएक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार ऋणियों में गोपाल यादव साकिन चलना, अनुपलाल साह साकिन डूमरजोर और बाबूजी किस्कू साकिन दूधसीमर शामिल हैं। धोरैया थाना पुलिस ने सभी ऋणियों को गिरफ्तार कर बांका के नीलामपत्र कार्यालय में न्यायालय के समक्ष पेश किया। बैंक की ओर से पंजवारा शाखा प्रबंधक आलोक कुमार भारती ने वसूली के लिए पीडीआर एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया था। दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के सर्टिफिकेट अधिकारी विनीत कुमार लाल के द्वारा इस मामले के तहत ऋणियों के खिलाफ गिरफ्तारी का आदेश जारी करवाया गया था। बैंक ने ऋण अदायगी न करने पर आगे भी सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

मोहिउद्दीननगर में संत रविदास जी की 648वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

समाज सुधार और समरसता के संदेश को आत्मसात करने का आह्वान

दैनिक बिहार पत्रिका

मोहिउद्दीननगर के परिसर में बुधवार को संत शिरोमणि रविदास जी की 648वीं जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पटना विश्वविद्यालय के इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. प्रो. अकल राम एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक अनिल राम (बथनाहा, सीतामढ़ी) थे, जबकि अध्यक्षता नंदलाल राम एवं संचालन अमित कुमार राम ने किया। आयोजन रविदास समाज विकास समिति, मोहिउद्दीननगर द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि अनिल राम ने संत रविदास के आदर्शों पर चलने का आह्वान करते हुए कहा

कि संतों ने समाज सुधार का कार्य किया और समाज को नई दिशा दी। आज उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर स्थानीय विधायक राजेश कुमार सिंह ने कहा कि संत रविदास एक महान समाज सुधारक थे, जिन्होंने सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का संदेश दिया। उनके आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं और हम सभी को इसे अपने जीवन में अपनाना चाहिए। मुख्य वक्ताओं में विधायक राजेश कुमार सिंह, प्रमुख जवाहर लाल राय, जन सुराज के जिला अध्यक्ष राज कपूर सिंह, माकपा नेता मनोज प्रसाद सुनील, प्रो. सरोज त्यागी (गाजीपुर, उत्तर प्रदेश) शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को संस्था की ओर से सम्मानित किया गया। इससे पूर्व अतिथियों ने संत रविदास के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर संजय राम, नवीन कुमार दास, हरेकृष्ण राम, राजदेव राम, वकील राम, अमरनाथ राम सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम से पहले विभिन्न पंचायतों से झांकियां भी निकाली गईं, जिसने पूरे माहौल को भक्ति और सामाजिक समरसता के रंग में रंग दिया।

एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी तेज, चुनावी जीत के लिए एकजुटता का संकल्प

15 फरवरी को मथुरापुर खेल मैदान में होगा भव्य आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका।खगड़िया

आगामी 15 फरवरी को मथुरापुर खेल मैदान में होने वाले एनडीए जिलास्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों को लेकर पांचों घटक दलों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने और कार्यकर्ताओं के समन्वय को मजबूत करने पर चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए एनडीए प्रदेश कार्यक्रम संयोजक चंदन कुमार सिंह ने कहा कि यह सम्मेलन आगामी विधानसभा चुनाव 2025 की रणनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एनडीए को 225 सीटों पर विजय दिलाने का संकल्प लेने का आह्वान किया और कहा कि 'कार्यक्रम की सफलता से चुनावी दिशा तय होगी। 'बैठक की अध्यक्षता जदयू जिला अध्यक्ष बबलू कुमार मंडल ने की।

इस दौरान बेलदौर विधायक पन्नालाल सिंह पटेल, पूर्व विधायक पूनम देवी यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष शत्रुघ्न भगत, लोजपा (रामविलास) जिला अध्यक्ष शिवराज यादव, रालोमों जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह सहित एनडीए के कई प्रमुख नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सम्मेलन को सफल बनाने और चुनाव में एकजुटता दिखाने का संकल्प लिया गया।

मानसी रेलवे मैदान में नशा मुक्ति अभियान के तहत बालिकाओं की दौड़ प्रतियोगिता आयोजित

आरती कुमारी प्रथम, पल्लवी कुमारी द्वितीय और गौरी कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया जिले के मानसी स्थित ऐतिहासिक रेलवे मैदान में नशा मुक्त भारत के बैनर तले संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम कुमार यशवंत के नेतृत्व में ग्रुप-बी की बालिकाओं के लिए 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में आरती कुमारी (पिताः अरुण यादव) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, पल्लवी कुमारी (पिताः अरुण कुमार यादव) द्वितीय स्थान पर रहीं, जबकि गौरी कुमारी (पिताः संजय यादव) ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रेम कुमार यशवंत ने कहा कि छात्रों का मुख्य धर्म और कर्म केवल पढ़ाई और खेल होना चाहिए। खेलकूद से जहां शारीरिक मजबूती मिलती है, वहीं

पढ़ाई से हर सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने महिलाओं की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वे हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। नशा मुक्त समाज के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका है। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि शिक्षक पंकज कुमार परमहंस, विशिष्ट अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता संतोष चंद्रवंशी, एवं सम्मानित अतिथि मानसी थाना के एएसआई प्रमोद कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल, प्रमाणपत्र और पाठ्य सामग्री देकर सम्मानित किया। ये पुरस्कार राजमाता माधुरी देवी खेल प्रोत्साहन समिति (आवास बोर्ड) की ओर से प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि श्री परमहंस ने अपने संबोधन में कहा कि 'पढ़ाई और खेल में आगे बढ़ने के लिए नशा मुक्त रहना बेहद जरूरी है, क्योंकि सफलता की कुंजी नशा मुक्त जीवन ही है।' प्रतियोगिता के निर्णायक की भूमिका में खगड़िया जिला फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव गुरु शंकर कुमार सिंह मौजूद रहे। इस दौरान वार्ड पार्षद मनीष यादव, पांडव कुमार यादव, पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी दीपेंद्र प्रसाद साह, संतोष कुमार चंद्रवंशी, शिक्षक पंकज कुमार परमहंस, 112 के एएसआई प्रमोद कुमार सहित कई गणमान्य लोग और दर्जनों धावक उपस्थित रहे। कल सुबह ग्रुप-सी की बालिकाओं की दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

समस्त हिंदू समाज के लिए प्रेरणा स्रोत थे संत रविदास

दैनिक बिहार पत्रिका।खगड़िया

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) द्वारा माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन गांधीनगर स्थित विहिप के जिला कोषाध्यक्ष मनीष गुप्ता के आवास पर किया गया। इस अवसर पर विहिप के प्रांत सह विशेष संपर्क प्रमुख नितिन कुमार ने कहा कि भारत की धरती संतों और ऋषि-मुनियों की भूमि रही है। लाखों संतों ने अपने जीवन से हिंदू समाज को मजबूत किया है। उन्हीं में से एक महान संत गुरु रविदास थे, जिन्होंने समाज में समरसता और एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संत रविदास का जीवन संघर्ष और ईमानदारी की मिसाल है। विधर्मी आक्रांताओं ने उन्हें धन और जागीर का प्रलोभन दिया, परंतु उन्होंने अपने धर्म और मानवता के मूल्यों से समझौता नहीं किया। उन्हें कारावास में डालकर यातनाएं दी गईं और धर्म परिवर्तन का प्रयास किया गया, लेकिन वे अडिग रहे और मानवता को सबसे ऊपर बताया। उन्होंने आगे कहा कि संत रविदास जूते बनाने के कार्य में इतने तल्लीन हो जाते थे जैसे स्वयं भगवान के लिए बना रहे हों। उन्होंने ईश्वर भक्ति के साथ-साथ सामाजिक और पारिवारिक दायित्वों का भी बखूबी निर्वहन किया। उनका जीवन समस्त हिंदू समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। विहिप के जिला कोषाध्यक्ष मनीष गुप्ता ने कहा कि संत रविदास की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। उनका प्रसिद्ध कथन 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' दर्शाता है कि मन की पवित्रता ही सच्ची तीर्थ यात्रा है। उन्होंने समाज में समरसता और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने का संदेश दिया, जो आज के समय में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष नीरज गुप्ता, बजरंग दल जिला सह संयोजक अभिमन्यु, नगर मंत्री संजय सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने संत रविदास के विचारों को आत्मसात करने और समाज में एकता व समरसता बनाए रखने का संकल्प लिया।

अंतरजिला मंदिर चोर गिरोह का भंडाफोड़, सात शातिर बदमाश गिरफ्तार

पुलिस ने अवैध हथियार और चोरी के उपकरण किए बरामद

दैनिक बिहार पत्रिका।सुपौल

सदर थाना क्षेत्र के थलहा चौक एनएच-327 के पास थानाध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने अंतरजिला मंदिर चोर गिरोह के सात शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, एक ऑटो, ताला तोड़ने और काटने की मशीन, चाकू एवं अन्य हथियार बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार बदमाशों में पिपरा थाना क्षेत्र के रामनगर निवासी मो. हजरत उर्फ विजय मियां, मो. शहादत, मो. कलाम, मो. अताबुल, मो. गफ्फार, अली आदम और इस्तेहार उर्फ स्टालिन शामिल हैं। इनमें गिरोह का सरगना हजरत

2003 में जेल से फरार हुआ था। पूछताछ में इन बदमाशों ने स्वीकार किया कि वे दिन में ऑटो से मंदिरों की रेकी करते और रात में चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। गिरोह ने हाल ही में सुपौल, करजाइन, बलुआ, प्रतापगंज, मधुबनी और सहरसा के कई मंदिरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। सुपौल पुलिस कप्तान शैशव यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर ऑटो सवार बदमाशों को रोका गया और तलाशी के दौरान चोरी के उपकरण और अवैध हथियार बरामद हुए। सभी अभियुक्तों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मंगलवार को उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य संभावित साथियों और इनके नेटवर्क की पड़ताल कर रही है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की जयंती

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की जयंती के शुभ अवसर पर बौंसी प्रखंड अंतर्गत ग्राम सिंघाजोर में अंबेडकर विचार मंच बौंसी के द्वारा बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि रेखा सोरेन एवं अध्यक्ष धनंजय दास के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम में सक्रियता से भाग लिया गया। वहीं अंबेडकर विचार मंच के सचिव सह समाजसेवी कमल किशोर, मीडिया प्रभारी प्रकाश दास, महिला अध्यक्ष गौरी देवी, संस्थापक सदस्य रंजन कुमार,मुकेश हरि,संगीतकार सिंधु कुमारी,अशोक दास, बद्री दास, कार्तिक दास, कैलाश कुमार तथा ग्रामीण पिंटू कौशल, किशोर दास, मिथिलेश दास, मुकुंद देवी, निर्मला देवी,शिक्षक गोपी कुमार के साथ हजारों-हजार की संख्या में ग्रामीणों ने शोभा यात्रा निकाला एवं संत शिरोमणि रविदास जी महाराज के जीवनी पर प्रकाश डाला।

मौके पर मनोज सिद्धार्थ के द्वारा कहा गया संत शिरोमणि उच्च कोटि के राष्ट्रीय संत है और थे जिनकी कहावत आज भी प्रचलित है '**मन चंगा तो कठौती में गंगा।**'

दो महीने पूर्व प्रेमी संग भागी महिला ढाई साल की बच्चे के साथ आनंदपुर पुलिस ने बांका से किया बरामद

दैनिक बिहार पत्रिका।उमाकांत साह

चांदन। आनंदपुर थाना क्षेत्र के दक्षिणी बर्न पंचायत अंतर्गत मंझली गांव की 2 महीने पूर्व अपने प्रेमी के साथ अपने ढाई साल के बच्चों के साथ भागी महिला आखिरकार बुधवार को पुलिस के हत्थे चढ़ ही गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंझली गांव के स्वर्गीय जागेश्वर दास के पुत्र गुड्डू यादव की पत्नी अंजू देवी अपने ढाई साल के पुत्र सूरज कुमार के साथ 5 दिसंबर 2024 को भैरोगंज बाजार जाने के बहाने रहस्यमय ढंग से गायब हो गई थी। इसके बाद परिजनों ने काफी खोजबीन करने के बाद भी कोई सुराग हाथ में नहीं लगने के बाद महिला के पति गुड्डू यादव ने आनंदपुर थाना में अपहरण का मामला दर्ज करा कर पत्नी और पुत्र को बरामदगी का गुहार लगाया था। लेकिन पुलिस द्वारा छानबीन से भागी महिला सिमुलतला थाना क्षेत्र के बुढी बारी गांव निवासी अपने प्रेमी टुनटुन यादव के साथ फरार हो गई थी। तब से दोनों महिला और प्रेमी घर फरार होकर ठिकाना बदल बदल कर रह रहा था। इसी बीच बुधवार को महिला के पति गुड्डू यादव ने पत्नी की मोबाइल ट्रेस के आधार पर बांका कोर्ट में होने की सूचना आनंदपुर थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही आनंदपुर थाना अध्यक्ष विपिन कुमार एवं थाना कांड के केस के अनुसंधान कर्ता महिला थाना पुलिस कटोरिया के सहयोग से बुधवार को विधिवत बांका कोर्ट परिसर से फरार महिला एवं बच्चे के साथ बरामद कर आनंदपुर थाना ले आया। इस संदर्भ में आनंदपुर थाना अध्यक्ष विपिन कुमार ने बताया कि उक्त महिला को बांका न्यायालय में पेश किया जाएगा। 364 के फर्द बयान पर आगे की कारवाई की जाएगी।

एक नज़र इधर भी

अज्ञात वाइक सवार ने वृद्ध को मारी टक्कर, स्थिति नाजुक

विद्यापतिनगर। थाना क्षेत्र के दलसिंहसराय-बजरंगी चौक मुख्य पथ पर थाना गेट के समीप बुधवार की देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से एक वृद्ध गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मी वृद्ध की पहचान साहित पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 6 विद्यापतिनगर गांव निवासी सुखदेव भगत (65 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया गया है कि अपनी चाय की दुकान बंद कर घर लौट रहे थे, तभी तेज रफ़्तार अज्ञात वाइक सवार ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जख्मी अवस्था में वृद्ध को पीएचसी लाया गया, जहां स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया है।

माघी पूर्णिमा पर विद्यापतिधाम मंदिर में जलाभिषेक को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

विद्यापतिनगर। माघी पूर्णिमा के अवसर पर विद्यापतिधाम मंदिर में बुधवार को बाबा भोलेनाथ की पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालु सुबह 5 बजे से ही मंदिर में सिमरिया, चमथा, पतसिया स्थित गंगा घाट तथा सहायक वाया नदी में में डुबकी लगाकर बाबा भोलेनाथ के शिवलिंग पर फूल बेलपत्र चढ़ाकर जलाभिषेक किया। इस दौरान हर-हर भोले, बम-बम भोले के जयकारों से पुरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। सुबह से ही महिलाएं एवं बच्चियों की भीड़ काफी संख्या में देखी गई। किवदंती है कि पूर्णिमा के दिन सूर्योदय से पहले स्नान-ध्यान कर पूजा-अर्चना करने तथा सत्यनारायण स्वामी की कथा सुनने से मनोकामनाएं पूर्ण होने के साथ-साथ घर में लक्ष्मी नारायण का वास होता है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मंदिर समिति सदस्य एवं थानाध्यक्ष फिरोज आलम के नेतृत्व में सहायक अवर निरीक्षक जवानों के साथ मुस्तैद दिखे। हालांकि, पूर्णिमा के अवसर पर विभिन्न मंदिरों के साथ-साथ लोगों ने घरों में भी भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर सतीश गिरि, मनीष कुमार गिरि, नवल गिरि, नन्हे गिरि, भरत गिरि, मुकेश गिरि मंदिर परिसर में मौजूद रहे।

स्नेहा को इंसाफ दिलाने के जन आक्रोश मार्च

डेहरी । रोहतास । एक फरवरी को उत्तरप्रदेश के वाराणसी में तकिया निवासी स्नेहा कुमारी की संदेहास्पद स्थिति में हॉस्टल के कमरे में फंदे में लटका शव मिला जो वहां पीजी में रहकर आकाश इंस्टीट्यूट में नीट की तैयारी कर रही थी,हॉस्टल संचालक द्वारा उक्त छात्रा के मौत की खबर परिजनों को दी जाती है लेकिन परिजनों के पहुंचने से पहले ही छात्रा का शव का दाहसंस्कार कर दिया जाता जिसके बाद परिजनों ने हॉस्टल संचालक और कुछ युवकों पर स्नेहा की हत्या का संदेह जताया ,स्नेहा की संदेहस्पद मौत की खबर मिलते ही विभिन्न समाजिक और राजनीतिक संगठनों ने न्यायिक जांच की मांग की और घटना में संलिप्त लोगों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की इसी क्रम में बुधवार की देर शाम कुशवाहा भवन से स्नेह कुमारी को इंसाफ दिलाने को लेकर बड़ी संख्या में युवा ,युवतियां और सामाजिक और राजनीतिक संगठन के कार्यकर्ता एकजुट होकर हाथों में मशाल और मोमबत्ती जलाकर जन आक्रोश मार्च निकला ,युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष तोराब नेयाजी ने कहा कि स्नेहा कुमारी की निष्पक्ष न्यायिक जांच हो ,वाराणसी प्रधान मंत्री के संसदीय क्षेत्र होने के बावजूद अपराधी बैखौफ घूम रहे है ,जब तक घटना में संलिप्त अपराधियों यूपी पुलिस के द्वारा भोंके जाती तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा,भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष अमित पासवान ने कहा कि योगी जी अपराध मुक्त प्रदेश की दावे करते है लेकिन उन्हीं के प्रदेश में एक बेटी हत्या हो जाती है ,उनकी पुलिस हत्यारों के संरक्षण का काम करती है ,हत्यारों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी हो तो हमारी पार्टी स्नेहा को न्याय दिलाने के लिए आंदोलन के लिए बाध्य होगी, भीम आर्मी जिलाध्यक्ष अमित पासवान,युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष तोराब नेयाजी,मेयर प्रतिनिधि डब्लू कुशवाहा, पूर्व जिला पार्षद सह राजद नेत्री सीमा कुशवाहा,उप मेयर चंद्रशेखर कुशवाहा,विशाल कुशवाहा, नेहा नटराज, लोजपा आर युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष रवि पासवान,दिनेश कुशवाहा, एबीवीपी सूरज कुमार,युवा जिला अध्यक्ष एमआईएम दानिश खान,जनसुवराज नगर अध्यक्ष अतेंद्र सिंह,संदीप यादव जिला उपाध्यक्ष आरजेडी,मनोज यादव,डॉ संतोष कुमार, कुशवाहा भवन कोषाध्यक्ष रामवतार मौर्य, सत्यनारायण स्वामी,रवींद्र प्रसाद सिंह,राजेश कुशवाहा,संजय कुमार सिंह,रोहित यादव एसपी जैन कॉलेज छात्र संघ अध्यक्ष ,दुर्गेश पासवान,ऋतिक राज,रोहित पासवान,परवेज आलम,मनु कुशवाहा सहित कई लोग शामिल थे।

संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती मनाई गई

बरारी । कटिहार । बरारी प्रखंड के लक्ष्मीपुर पंचायत के रविदास टोला में संत शिरोमणि रविदास जी का 647 वां जयंती समारोह का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम शुरुआत सुखमणि साहब जी के पाठ से आरंभ किया गया। साथी शब्द कीर्तन एवं कथा वाचक के द्वारा कथा करके श्रद्धालुओं को शब्द कीर्तन से निहाल किया। वहीं गुरु ज्ञानी के द्वारा संत शिरोमणि रविदास के जीवन पर प्रकाश डाला और कहा कि पूरी दुनिया में भाईचारे और शांति की स्थापना के लिए उनके द्वारा दी गई शिक्षा दिनों दिन ज्यादा प्रासंगिक होती जा रही है। उन्होंने लोगों को बिना भेदभाव आपस में प्रेम करने की शिक्षा दी। वहीं कथावाचक के द्वारा संत शिरोमणि रविदास जी के बताए गए मार्गों पर चलने के लिए श्रद्धालुओं को प्रेरित किया गया। उन्होंने एक सभ्य समाज की न सिर्फ कल्पना की, बल्कि उसे मूर्त रूप देने में भी अहम भूमिका निभाई।इस दौरान कई संत महात्मा का आगमन हुआ। जिससे लक्ष्मीपुर गांव भक्ति मय हो गया।अंत में अरदास के बाद प्रसाद वितरण कर अटूट लंगर का आयोजन किया गया। इस मौके पर सरदार कामेश्वर सिंह,नरेश रविदास,सरदार प्रदीप सिंह, सनिन्दर सिंह,अमरेन्द्र सिंह, रमन कुमार सुमन,जानकी रविदास, रतनलाल रविदास, शिव कुमार, कुलवंत सिंह, अंशु रविदास, विकाश सिंह जाटव,रामखेलावन पासवान,अर्जुन दास,मिथुन कुमार,सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पुलिस और बालू माफियाओं के बीच गोलीबारी, धुआंधार फायरिंग; दहल उठा पूरा इलाका

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। बिहार में अवैध बालू खनन को रोकने के लिए प्रशासन लगातार अभियान चला रहा है, लेकिन बालू माफियाओं की गतिविधियाँ कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। बुधवार को बांका और मुंगेर जिले की सीमा पर स्थित चकवारा बालू घाट में पुलिस और बालू माफियाओं के बीच जबरदस्त गोलीबारी हुई, जिससे पूरा इलाका दहल उठा। घटना बेलहर थाना क्षेत्र की है, जहाँ अवैध बालू खनन की शिकायतों के बाद पुलिस टीम कार्रवाई करने पहुंची थी। पुलिस के छापेमारी अभियान के दौरान बालू माफियाओं ने पुलिस पर हमला बोल दिया। पहले उन्होंने पथराव किया और फिर गोलियां चलानी शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी आत्मरक्षा में फायरिंग की। इस गोलीबारी के कारण इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों के बीच दहशत का माहौल बन गया। यह पूरा दृश्य किसी फिल्मी एक्शन सीन से कम नहीं था, जहाँ एक तरफ पुलिस गन ताने खड़ी थी और दूसरी ओर बालू माफिया उन्हें निशाना बना रहे थे। बालू माफियाओं द्वारा किए गए इस हमले के बावजूद पुलिस ने अपनी कार्रवाई जारी रखी और मौके से कई ट्रैक्टर जब्त किए। बेलहर एसडीपीओ रजकिशोर कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि अवैध बालू खनन के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। घटनास्थल पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि हालात को नियंत्रित किया जा सके और अवैध खनन पर लगाम लगाई जा सके। पुलिस लगातार इलाके की निगरानी कर रही है और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। बिहार में अवैध बालू खनन एक गंभीर समस्या बन चुका है। प्रशासन की सख्ती के बावजूद बालू माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। वे न केवल प्राकृतिक संसाधनों का अवैध दोहन कर रहे हैं, बल्कि कानून-व्यवस्था के लिए भी चुनौती बने हुए हैं। इस तरह की घटनाएँ पहले भी सामने आ चुकी हैं, जहाँ बालू माफियाओं ने पुलिस पर हमला किया है। लेकिन इस बार की घटना ने प्रशासन को और भी सतर्क कर दिया है। सरकार अब इस मुद्दे पर और सख्त कार्रवाई करने की योजना बना रही है। बांका-मुंगेर सीमा पर पुलिस और बालू माफियाओं के बीच हुई गोलीबारी ने यह साबित कर दिया कि बिहार में अवैध खनन एक बड़ी समस्या बनी हुई है। हालाँकि, पुलिस ने मजबूती से मोर्चा संभालते हुए कार्रवाई जारी रखी और कई ट्रैक्टर जब्त किए। घटनास्थल पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया है और प्रशासन हालात पर कड़ी नजर रखे हुए है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि प्रशासन बालू माफियाओं पर कितनी सख्ती करता है और अवैध खनन पर कितना अंकुश लगाया जा सकता है।

कुशल युवा कार्यक्रम केंद्र में संत रविदास की मनाई गयी जयंती

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिलांतर्गत बाराहाट ब्लॉक परिसर अंतर्गत स्थित ब्लॉक स्किल डेवलपमेंट सेंटर प्रांगन में एवं बौंसी नगर पंचायत अंतर्गत थाना कॉलनी स्थित बिहार सरकार के सात निश्चय अन्तर्गत संचालित कुशल युवा कार्यक्रम केंद्र एंजेल कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर के प्रांगण में संत रविदास की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के संरक्षण रमेश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर कुशल युवा कार्यक्रम केंद्र के निदेशक कुमार चंदन,शिक्षक सोनू कुमार विश्वकर्मा, प्रबीर कुमार,शालू कुमारी, एवं छात्र-छात्राओं ने संत रविदास को श्रद्धासुमन अर्पित किया एवं संत रविदास के फोटो पर माल्यार्पण भी किया गया। इस अवसर पर संत रविदास की जीवनी के बारे में बताया गया कि संत रविदासजी का जन्म माघ मास की पूर्णिमा तिथि संवत 1388 को हुआ था। इनके पिता का नाम राहू और माता का नाम करमा था। इनकी पत्नी का नाम लोना बताया जाता हैं इन्हें संत रविदास, गुरु रविदास, रैदास, रूहिदास और रोहिदास जैसे कई नामों से जाना जाता हैं। रविदास जयंती और माघी पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व होता है। मौके पर उक्त आयोजन में संस्थान के निदेशक कुमार चंदन,शिक्षक सोनू कुमार विश्वकर्मा, प्रबीर कुमार,शालू कुमारी, संस्थान की प्रबंधक अंकिता कुमारी, मोनू कुमार विश्वकर्मा, छात्रा करुना कुमारी, राखी कुमारी, शिवानी कुमारी, मौसम गुप्ता, स्वाति कुमारी, निशा , आँचल कुमारी, मोहम्मद सुफियान,अमित कुमार सहित काफी संख्या में छात्र एवं छात्राएं मौजूद थे।

संत रविदास जयंती पर सक्षम द्वारा समारोह का आयोजन

'मन चंगा तो कठौती में गंगा' के संदेश को किया गया आत्मसात

दैनिक बिहार पत्रिका, खगड़िया। जिले के गोगरी जमालपुर स्थित रजिस्ट्री मां दुर्गा स्थान प्रांगण में सक्षम द्वारा संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सक्षम के उपाध्यक्ष दिलीप पासवान ने की, जबकि मुख्य वक्ता दिव्यांगजन कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार पासवान रहे। अपने संबोधन में पवन कुमार पासवान ने कहा कि संत रविदास 16वीं शताब्दी में भक्ति आंदोलन के एक महान संत थे, जिन्होंने समाज को धार्मिक, सामाजिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन अपने उपदेशों और लेखन के माध्यम से समाज में समरसता और भक्ति का संदेश दिया। संघ के प्रदेश सचिव विनय कुमार मिश्रा एवं संयुक्त सचिव संदीप पटेल ने कहा कि संत रविदास का प्रसिद्ध दोहा – ₹मन चंगा तो कठौती में गंगा₹ – यह संदेश देता है कि सच्ची श्रद्धा और पवित्रता मन की शुद्धता में निहित होती है, बाहरी आडंबर में नहीं। इस अवसर पर दिव्यांगजन कल्याण समिति के अनुमंडल उपाध्यक्ष बृजेश कुमार, मोहम्मद दाऊद अली, शुभ कुमार, शकील अहमद, रामदेव कुमार, प्रेम कुमार, प्रवीण नाशाद आलम सहित कई गणमान्य लोग और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

648वीं संत रविदास जयंती हर्षोल्लास के साथ संपन्न

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्राथमिक विद्यालय कमलपुर और नन्हकू मंडल टोला में संत शिरोमणि रविदास जी की 648वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक रामलखन प्रसाद पासवान एवं जदयू के जिला प्रवक्ता आचार्य राकेश पासवान शास्त्री ने संयुक्त रूप से समारोह की अध्यक्षता की। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य शोभायात्रा से हुई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। संत रविदास जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' और 'संत शिरोमणि रविदास जी की जय' के जयकारे लगाए। समारोह को संबोधित करते हुए रामलखन प्रसाद पासवान ने कहा कि संत रविदास जी का जीवन मानव कल्याण को समर्पित था। वे हमेशा समाज में फैली बुराइयों को दूर करने के लिए प्रवचन, दोहे और भजन के माध्यम से जनजागरण करते रहे। उन्होंने प्रेम, एकता और समानता का संदेश दिया और समाज सुधार के लिए संघर्ष किया। आचार्य राकेश पासवान शास्त्री ने कहा कि संत रविदास जी भक्ति आंदोलन के रहस्यवादी कवि और महान संत थे। उनके भक्ति गीतों और छंदों ने समाज पर स्थायी प्रभाव डाला है। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और हमें यह सिखाते हैं कि अहंकार और अभिमान से मुक्त व्यक्ति ही जीवन का आनंद प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि जहां प्रेम नहीं, वहां नर्क है और जहां प्रेम है, वहीं स्वर्ग है। इस अवसर पर शिक्षक सनातन कुमार, डॉ. पुरातन गांधी, शिक्षक संजय गांधी, मेनका देवी, कला देवी, राजकुमारी देवी, सुमित्रा देवी, ईशा देवी, दीपक कुमार पासवान, हरवंश कुमार, डॉ. नवीन कुमार पासवान, केपी समदर्शी, नवल किशोर सहनी, सूरज दास, भुनेश्वर पासवान एवं सूर्यवंश कुमार सहित कई श्रद्धालु और साधु-संत उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में गायक संतो द्वारा सत्संग एवं संत रविदास जी रचित भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिससे श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए और भक्ति भाव में सराबोर हो उठे।

महर्षि दयानंद सरस्वती की 201वीं जयंती पर श्रद्धा और उत्साह का संगम

दैनिक बिहार पत्रिका,खगड़िया। महर्षि दयानंद सरस्वती की 201वीं जयंती दयानंद योगाश्रम एवं बाल संस्कारशाला खगड़िया तथा आर्य समाज खगड़िया के संयुक्त तत्वावधान में बबुआगंज विद्याधर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई।कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक यज्ञ से हुई, जिसमें डॉ. ऋचा योगमयी ने यज्ञ ब्रह्मा की भूमिका निभाई, जबकि धर्मेंद्र शास्त्री और वंदना शास्त्री यजमान के रूप में उपस्थित रहे। यज्ञ के उपरांत आर्य समाज की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. ऋचा योगमयी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती न केवल एक महान समाज सुधारक थे, बल्कि उन्होंने छुआछूत, धर्म में व्याप्त आडंबर, अंधविश्वास, पाखंड और स्त्री शिक्षा के लिए भी आजीवन संघर्ष किया। उनके प्रयासों का ही परिणाम है कि आज महिलाएं वेद पाठ करने में सक्षम हैं। उन्होंने आगे कहा कि महर्षि दयानंद ने विधवा पुनर्विवाह को बढ़ावा देने के लिए संघर्ष किया और उनके विचारों से प्रेरित होकर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, राम प्रसाद बिस्मिल, रोशन लाहिड़ी, स्वामी श्रद्धानंद, महात्मा हंसराज, लाला लाजपत राय, श्यामजी कृष्ण वर्मा जैसे क्रांतिकारियों ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्तमान समय में भी हमें उनके विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम को पतंजलि योगपीठ खगड़िया के उमाशंकर प्रसाद, आर्य समाज के मंत्री अरुण स्वर्णकार और धर्मेंद्र शास्त्री ने भी संबोधित कर महर्षि दयानंद के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम की खास प्रस्तुति में आर्य समाज खगड़िया की उप प्रधान गीता देवी आर्या ने सुंदर भजन प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस भव्य आयोजन में वरिष्ठ पत्रकार राजीव रंजन आजाद, अधिवक्ता ओम प्रकाश अग्रवाल, आर्य समाज की प्रधान निर्मल ज्ञानमयी, सदस्य अंजनी कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता उदय शंकर बिहारी, विजय पोद्दार, अशोक देव, रंजन गुप्ता, नरेंद्र ब्रह्मचारी और शिक्षक रोहित कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नकली शराब बनाने की मिनी फैक्ट्री का पर्दाफाश; ब्रांडेड कंपनियों के नकली रैपर, ढक्कन, स्प्रिट, कार समेत अन्य सामान बरामद

दैनिक बिहार पत्रिका।समस्तीपुर

समस्तीपुर। नगर थाने की पुलिस ने शहर के प्रोफेसर कॉलोनी में छापेमारी कर नकली शराब बनाने की एक मिनी फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की है। इस दौरान भारी मात्रा में डुप्लीकेट विदेशी शराब, ब्रांडेड कंपनियों के नकली रैपर और ढक्कन, स्प्रिट, एक कार तथा नकली शराब बनाने प्रयुक्त अन्य सामान बरामद करते हुए एक कारोबारी को भी गिरफ्तार किया है। इस दौरान एक बदमाश भागने में सफल भी रहा जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। वहीं गिरफ्तार कारोबारी की पहचान मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के फतेहपुर बाला निवासी संजय कुमार सिंह के पुत्र विकास कुमार उर्फ गोलू के रूप में हुई है। पकड़े गए आरोपी के विरुद्ध मद्य निषेध अधिनियम व अन्य सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज करने की प्रक्रिया में पुलिस जुट गई है।

संत रविदास ने भक्ति और सामाजिक सुधार के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई: डॉ मनीष पंकज मिश्रा

दैनिक बिहार पत्रिका।गया

रविदास टोला के प्रमुख लोगों को अंगवस्त्र माला फूल देकर सम्मानित किया गया

संत रविदास जी जयंती पर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के सह प्रभारी डॉ मनीष पंकज मिश्रा सहित भाजपा नेताओं के द्वारासमाज सुधारक और भक्तिकाल के महान संत रविदास जी तेल चित्र पर समीर तकिया रविदास टोला में जयंती समारोह मनाया गया सर्वप्रथम उनके उनके चित्र पर माला पुष्प चढ़कर उनके चरणों में नमन किया गया नमन करते हुए डॉक्टर मनीष पंकज मिश्रा ने कहा रविदास का जन्म 15वीं शताब्दी में वाराणसी के गोवर्धनपुर गांव में हुआ था। वे एक दलित परिवार में जन्मे थे और उनके पिता चमड़े के काम से जुड़े थे। संत रविदास ने भक्ति और सामाजिक सुधार के माध्यम से जातिवाद, छुआछूत और अन्य सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई। रविदास जी का जीवन भगवान की भक्ति और समाज सेवा को समर्पित था। उन्होंने भक्ति आंदोलन को एक नई दिशा दी और सरल भाषा में भजन व दोहों के माध्यम से ईश्वर भक्ति का संदेश दिया है। वे निर्गुण भक्ति धारा के प्रमुख संतों में से एक थे और संत कबीर के समकालीन माने जाते हैं। उनकी वाणी का संकलन गुरु ग्रंथ साहिब में भी किया गया है, जिससे उनकी शिक्षाओं की व्यापक स्वीकृति सिद्ध होती है व्हाट्सएप पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता ने कहा रविदास को मानना था कि जाति, धर्म या संपत्ति से कोई महान नहीं बनता, बल्कि सच्ची भक्ति और सच्चे कर्म ही मनुष्य को श्रेष्ठ बनाते हैं। उन्होंने समाज को यह संदेश दिया कि ₹मन चंगा तो कठौती में गंगा, यानी यदि मन पवित्र है, तो हर स्थान पवित्र है। उनके विचारों ने समाज में समानता, भाईचारे और प्रेम का संदेश फैलाया।संत रविदास की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं और समाज को एकता, प्रेम और समानता का पाठ पढ़ाती हैं। उनकी जयंती पर लोग उनकी शिक्षाओं को याद कर समाज सुधार और सद्भावना के कार्यों में संलग्न होते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम रविदास टोला के प्रमुख लोगों को अंगवस्त्र माला फूल देकर सम्मानित किया गया है।आज रविदास को नमन करने वालों में भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता महामंत्री गोपाल प्रसाद यादव जिला मीडिया प्रभारी संतोष ठाकुर व्यापार प्रकोष्ठ का संयोजक दीपक पांडे भाजपा के नेता सुनील रविदास मोनू रविदास करण रविदास विक्की दास आकाश दास शुभम दास पवन दास टोबा दास सहित अन्यलोग उपस्थित हुए हैं।

चिनिया प्रखंड में विकास माली का चला भिक्षाटन अभियान, समाज से सहयोग की अपील

दैनिक बिहार पत्रिका ,गया । जिले के चिनिया प्रखंड में कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी के सचिव विकास माली और उनकी टीम ने भिक्षाटन अभियान किया है। इस अभियान के तहत प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में जाकर 351 कन्याओं के सामूहिक विवाह के लिए सहयोग जुटाया गया है। साथ ही, लोगों को इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभाने और विवाह समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।
विकास माली ने कहा कि यह अभियान समाज में सामूहिक विवाह की परंपरा को मजबूत करने और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में सहायता देने के लिए चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कई गरीब परिवार आर्थिक तंगी के कारण बेटियों की शादी नहीं कर पा रहे हैं, इसलिए इस पहल के माध्यम से उन्हें सहयोग प्रदान किया जा रहा है।उन्होंने संपन्न वर्ग और सामाजिक संगठनों से अपील की कि वे इस नेक कार्य में सहयोग दें, जिससे 351 बेटियों का विवाह सफलता पूर्वक संपन्न हो सके। भिक्षाटन से जुटाए गए धन का उपयोग शादी समारोह की आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए किया जाएगा।इस अभियान में विकास माली के साथ अजय वर्मा, मोहम्मद फरीद अंसारी, विभूति पांडेय, विकास तिवारी सहित कई ग्रामीण गांव-गांव जाकर लोगों को इस पहल में योगदान देने के लिए प्रेरित कर रहे थे।

निशांत के राजनीति में आने का विरोध शुरु, कांग्रेस ने पोस्टर लगाकर कहा, राजा के बेटा राजा नहीं बनेगा

पटना । बिहार में सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की राजनीति में एंट्री की चर्चा के बीच विरोध भी शुरू हो गया है। कांग्रेस ने पटना में बीजेपी दफ्तर के बाहर पोस्टर लगवाया है। इस पोस्टर में लिखा गया है कि राजा के बेटा राजा नहीं बनेगा। पोस्टर पर एक ओर नीतीश के बेटे निशांत कुमार की तस्वीर लगी है। वहीं दूसरी ओर पोस्टर लगवाने वाले रवि गोल्डन कुमार की फोटो लगी है। निशांत की तस्वीर के नीचे तीर का निशाना है, वहीं गोल्डन कुमार के नीचे कांग्रेस पार्टी का चिन्ह है। वहीं राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा है बीजेपी अपने समर्थकों से माहौल बनवा रही है। ये पोस्टर भी वहीं लोग लगवा रहे हैं। इधर, जेडीयू और बीजेपी नेता मामले में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। निशांत के जेडीयू में आने की चर्चा पिछले साल से ही हो रही है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कुछ नेता भी चाह रहे हैं कि वे राजनीति में आएं। हालांकि, पार्टी के बड़े नेता लगातार इस तरह की संभावनाओं को खारिज करते रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भी निशांत की राजनीति में आने की चर्चा ने जोर पकड़ा था।

मध्यप्रदेश में आज से फिर लौटेगी सर्दी, राजस्थान में तीन दिन बाद बदलेगा मौसम

-भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में पारा आएगा नीचे

नई दिल्ली। देश के पहाड़ी इलाकों जम्मू-कश्मीर में बीते दो दिन से बारिश और बर्फबारी का दौर जारी है। इससे मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ गई है। मध्यप्रदेश में 13 फरवरी से फिर एक बार ठंड का दौर शुरु होगा। दो दिन तक पारे में 2 से 3 डिग्री की गिरावट होगी। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में पारा 10 डिग्री से नीचे जा सकता है। वहीं राजस्थान में 3 दिन बाद मौसम बदलेगा। बादल छा सकते हैं। फिलहाल रात का टेम्प्रेचर बढ़ने से सर्दी में कमी आई है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटे में कश्मीर के कुछ इलाकों में बर्फबारी-बारिश की संभावना है। मध्यप्रदेश में 13 फरवरी से सर्दी का एक और दौर आएगा। दो दिन तक पारे में 2 से 3 डिग्री की गिरावट होगी। प्रदेश के 5 बड़े शहर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में पारा 10 डिग्री से नीचे जा सकता है। अभी प्रदेश में रातें ज्यादा ठंडी नहीं है। सुबह और रात में ही हल्की ठंड पड़ रही है। वहीं राजस्थान के कई शहरों में रात में सर्दी थोड़ी कम हुई है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक 15 फरवरी तक मौसम इसी तरह का रहेगा। जबकि 16-17 फरवरी से मौसम में फिर बदलाव हो सकता है। कुछ जगह बादल छा सकते हैं। जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर के बाद अब जयपुर में भी दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। हरियाणा में पश्चिमी विक्षोभ के कारण फिर मौसम बदलने जा रहा है। 14 से 16 फरवरी के बीच बूंदाबांदी के आसार हैं। इससे गर्मी से राहत मिलेगी। यमुनानगर, रोहतक, फरीदाबाद, पलवल, महेंद्रगढ़, नारनौल और गुरुग्राम सबसे गर्म रहे। वहीं हिसार में बढ़ रहे तापमान से थोड़ी राहत मिली है।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर पत्र लिख, अमानतुल्लाह खान ने बताया....मैं भागा नहीं हूं

नई दिल्ली। दिल्ली के जामिया नगर में पुलिस टीम पर कथित रूप से हमला करने के आरोप में एफआईआर दर्ज होने के बाद आप नेता और विधायक अमानतुल्लाह खान ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा है। अमानतुल्लाह ने अपने पत्र में लिखा है, मैं अपने विधानसभा क्षेत्र में हूं, मैं कहीं भागा नहीं हूं। दिल्ली पुलिस के कुछ लोग मुझे झूठे मामले में फंसा रहे हैं। जिस व्यक्ति को दिल्ली पुलिस गिरफ्तार करने आई थी, उस शख्स को पहले ही जमानत मिल चुकी है। जब उस व्यक्ति ने अपने कागजात दिखाए, तब पुलिस अपनी गलती छिपाने के लिए मुझे झूठे मामले में फंसा रही है। सीबीआई ने दिल्ली परिवहन विभाग के छह अधिकारियों को भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि आप की हार के बाद राजधानी में यह पहली बड़ी कार्रवाई है।

महाकुंभ में ट्रेनों में बढ़ी भीड़ के चलते रेल मंत्री ने संभाली कमान, कर रहे मॉनिटरिंग

नई दिल्ली। महाकुंभ स्नान करने देशभर से श्रद्धालु अपने साधनों के अलावा ट्रेनों से पहुंच रहे हैं। भारतीय रेलवे महाकुंभ के लिए 7000 से ज्यादा ट्रेनें चला रहा है। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। हाल ही में रेल मंत्रालय में बने वार रूम की कमान स्वयं रेल मंत्री ने संभाल ली है। आखिर ऐसी वजह क्या है? रेल मंत्रालय ने प्रयागराज स्टेशनों में भीड़ को देखते हुए वार रूम बनाया है, जहां से लाइव मोनिटरिंग की जा रही है। पिछले कुछ दिनों से देश के स्टेशनों से प्रयागराज जाने वालों की भीड़ बढ़ती ही जा रही है। भीड़ बढ़ने और सोशल मीडिया में दिग्भ्रमित करने वाली खबरों को देखते हुए रेल मंत्री को स्वयं मोर्चे पर उतरना पड़ा है। वह खुद वाररूम में मोनिटरिंग कर रहे हैं। दिन में कई बार वहां जाकर खुद प्रयागराज के स्टेशनों का हाल देखते हैं और जरूरी निर्देश देते हैं। इतना ही नहीं रेल मंत्रालय रोजाना प्रयागराज से चलने वाली ट्रेनों और यात्रियों के संबंध में बुलेटिन जारी कर रहा है। महाकुंभ में जाने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसे ध्यान रखते हुए रेलवे कर्मचारी और अधिकारी 24 घंटे निगरानी और व्यवस्था में लगे हैं।

दुनिया के सबसे भ्रष्ट देशों की सूची जारी, भारत में बढ़ा भ्रष्टाचार का स्तर

पाकिस्तान की रैंक 135वीं तो श्रीलंका 121वें स्थान पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने 2024 का भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (सीपीआई) जारी किया है, जिसमें दुनिया भर के 180 देशों और क्षेत्रों को भ्रष्टाचार के स्तर पर रैंक दी गई है। यह रिपोर्ट देशों को 0 से लेकर 100 अंक के बीच रैंक देती है। 0 अंक वाले देश सबसे भ्रष्ट माने जाते हैं, जबकि 100 अंक वाले देश को पूरी तरह पारदर्शी माना जाता है। 2024 में भारत की रैंकिंग 96वें स्थान पर थी, जो कि 2023 की तुलना में तीन स्थान नीचे है। भारत को इस साल 100 में से 38 अंक मिले हैं, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 39 था। 2022 में भारत को 40 अंक मिले थे, जिसका मतलब है कि भारत में पिछले कुछ सालों में भ्रष्टाचार के स्तर में मामूली वृद्धि हुई है। 2024 की इस रैंकिंग में भारत का प्रदर्शन कमजोर रहा है, इससे पता चलता है कि भ्रष्टाचार की समस्या देश में अभी भी गंभीर है।

भारत के पड़ोसी देशों की स्थिति भी निराशाजनक है। पाकिस्तान की रैंक 135वीं है, जो कि बेहद खराब स्थिति है। श्रीलंका 121वें स्थान पर है, जो राजनीतिक और आर्थिक संकटों के कारण भ्रष्टाचार के उच्च स्तर को दर्शाता है। वहीं, बांग्लादेश भी निचे है, जो 149वीं रैंक पर है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि दक्षिण एशिया के देशों में भ्रष्टाचार की समस्या बहुत गंभीर बनी हुई है। चीन इस साल 76वां पर है, जो कि कुछ हद तक बेहतर है। चीन में भ्रष्टाचार के खिलाफ कुछ कदम उठाए गए हैं, लेकिन फिर भी यह समस्या पूरी तरह से हल नहीं हो पाई है।

2024 के सीपीआई में यह देखा गया है कि भ्रष्टाचार की समस्या वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक दो तिहाई से ज्यादा देशों को 100 में से 50 से कम अंक मिले हैं, जिससे यह साफ होता है कि भ्रष्टाचार एक बड़ी वैश्विक चुनौती है। वैश्विक औसत भी 43 अंक पर स्थिर है, जो पिछले कई सालों से बना हुआ है। इस स्थिति का असर दुनिया के करोड़ों लोगों पर पड़ रहा है, क्योंकि भ्रष्टाचार मानव अधिकारों को कमजोर कर रहा है और विकास को प्रभावित कर रहा है।

रिपोर्ट में एक और अहम बिंदु पर ध्यान दिया गया है, और वह है वैश्विक हीटिंग। दुनिया भर में भ्रष्टाचार के कारण देशों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाने और पर्यावरणीय संकटों से निपटने के लिए जरूरी कदमों को अमल में नहीं लाया जा रहा है। यह स्थिति वैश्विक तापमान वृद्धि और पर्यावरणीय असंतुलन को बढ़ावा दे रही है, जो कि दुनिया के लिए बड़ा खतरा है।

2024 की रैंकिंग में डेनमार्क को सबसे अधिक अंक प्राप्त हुए हैं यानी वह सबसे पारदर्शी देश है। इसके बाद फिनलैंड और सिंगापुर हैं। ये देश भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त उपायों और पारदर्शिता के कारण शीर्ष स्थान पर रहे हैं। वहीं, सबसे खराब स्थिति वाले देशों में सोमालिया, दक्षिण सूडान और

सीरिया शामिल हैं, जिनकी रैंकिंग सबसे नीचे है।

भारत की रैंकिंग में गिरावट यह दर्शाती है कि देश में भ्रष्टाचार पर काबू पाने के लिए अभी और प्रयास करने की जरुरत है। सरकारी नीतियों में पारदर्शिता, जवाबदेही और कड़ी निगरानी करना जरुरी है ताकि लोगों का विश्वास बढ़े और भ्रष्टाचार की समस्या को समाप्त किया जा सके।

मैं उन्हें मारकर डॉन बनना चाहता हूं, योगी को मारने की धमकी देने वाले युवक का बयान

मुरैना (ईएमएस)। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के एक गांव के 20 वर्षीय युवक ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी दी है। घटना तब सामने आई जब युवक ने सोशल मीडिया के द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के विजिलेंस विभाग का फोन नंबर पाकर कॉल कर दिया। युवक ने फोन पर अधिकारियों से कहा कि वहां सीएम योगी को मारना चाहता है, ताकि वह डॉन बन सके। युवक ने फोन पर यूपी प्रशासन के अधिकारियों से कहा कि मेरी योगी आदित्यनाथ से बात करवा दीजिए। जब अधिकारियों ने पूछा कि वह ऐसा क्यों करना चाहता है, तब युवक ने जवाब दिया, मैं उन्हें मारकर डॉन बनना चाहता हूं। धमकी की सूचना मिलते ही उत्तर प्रदेश पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और एसटीएफ की दो टीमों को मुरैना भेजा। मंगलवार देर शाम जब टीम युवक के गांव पहुंची, तब उसके घर पर ताला लगा मिला। करीब 10 घंटे की तलाश के बाद युवक को पकड़ गया। युवक ने बताया कि यह सब सिर्फ मजाक में किया था। युवक ने बताया कि वह अक्सर फोन पर धमकियां देता है और कुछ ग्रामीणों ने कहा कि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ है। दिलचस्प बात यह है कि आरोपी खुद ही थाने पहुंच गया और मुरैना पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। थाने के टीआई ने यूपी एसटीएफ के अधिकारियों को सूचित किया कि जिस युवक की तलाश थी, वह अब थाने में मौजूद है। इस घटना ने स्थानीय लोगों में भी चर्चा का विषय बना दिया है, क्योंकि कुछ ग्रामीणों ने बताया कि युवक अक्सर इसतरह फोन कॉल करता है।

आंध्र प्रदेश में महिलाओं के लिए वर्क फॉम होम का नियम लागू करेगी नायडू सरकार

अमरावती (एजेंसी)। देश में सप्ताह में 90 घंटे काम के बहस के बीच आंध्र प्रदेश सरकार महिलाओं के लिए वर्क फ्रॉम होम का नियम लागू करने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने इसकी घोषणा 11 फरवरी को पोस्ट में की। हालांकि सीएम नायडू ने योजना को कैसे लागू किया जाएगा, इसके लिए कोई प्लान नहीं बताया है। सीएम नायडू ने अपनी पोस्ट में सबसे पहले मैं साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं और युवतियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला और बालिका विज्ञान दिवस की बधाई देता हूं। आज हम लोग उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं। हमारी सरकार महिलाओं को इन क्षेत्रों में समान मौके सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लिखा कि कोविड 19 महामारी के दौरान काम करने के तरीकों में बड़ा बदलाव आया है। तकनीकी के कारण वर्क फ्रॉम होम करना आसान हो गया है।

रिमोट वर्क, कोवर्किंग स्पेस (सीडब्ल्यूएस) और नेबरहुड वर्कस्पेस (एनडब्ल्यूएस) जैसी व्यवस्थाएं बिजनेस और काम करने वाले लोगों को अधिक बेहतर साबित होगा। साथ ही इससे काम की उत्पादकता भी बढ़ेगी। सीएम ने कहा कि इन पहल की वजह से वर्क और लाइफ को बैलेंस करने में मदद मिलेगी। इस मीनिंग फूल बनाने के लिए राज्य सरकार योजना पर काम कर रही है। आंध्र प्रदेश आईटी और जीसीसी नीति 4.0 इस दिशा में गेम-चेंजिंग कदम है। हमारी सरकार हर शहर, कस्बे और मंडल में आईटी ऑफिस स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन दे रहे हैं। साथ ही आईटी और जीसीसी कंपनियों का समर्थन कर भी कर रहे हैं, ताकि रोजगार उत्पन्न हो सके।

लालू के जंगलराज पर नीतीश का तंज....2005 से पहले कौन लड़का-लड़की आराम से रात 11 बजे तक बाहर घूमता था

-दो बार राजद के साथ जाकर हम बहुत बड़ी गलती किए

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना के बापू सभागार में बुधवार को संत रविदास की जयंती धूमधाम से मनाई गई है। कार्यक्रम में पहुंचे सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हमारी सरकार ने शुरुआत से ही अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए काफी काम किया। पहले वाला कोई कुछ करता था जी, यह सब हमलोग साथ में आने के बाद किए हैं।

सीएम ने राजद के साथ जाने पर कहा कि बीच में हम ही लोग जो दो बार डेढ़ साल अलग हुए। इसके बाद हमें पता चला कि ये लोग कभी कुछ नहीं करेगा। 2005 से पहले क्या होता था। शाम में कोई घर से बाहर निकलता था। अब बताइए लोग कितने देर तक बाहर घूमते हैं। रात में 10-00 बजे 11:00 तक लड़का-लड़की सभी लोग आराम से बाहर घूमते हैं।

मुख्यमंत्री नीतिश ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार में केंद्रीय मंत्री थे। उन्होंने बिहार का मुख्यमंत्री बनाया। उस समय से ही सारा काम मिलकर कर रहा हूं। अभी भी हम सभी जगह घूम रहे हैं। एक-एक चीज को देख रहे हैं।

वहीं, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि गांधी परिवार सोचता है कि कोई और इस देश का वित्त मंत्री या प्रधानमंत्री नहीं बने। लेकिन, गांधी परिवार को पता होना चाहिए कि देश में लोकतंत्र है, और लोकतंत्र में जनता तय करती है कि प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री कौन बनेगा। मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि आजादी के बाद किसी राज्य के दलित मुख्यमंत्री ने दलितों के लिए इतना काम नहीं किया, जितना काम नीतीश ने दलितों के लिए किया है। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने लोगों को संबोधित कर संत रविदास का जिक्र कर कहा कि सीएम नीतिश की ओर से दलितों के लिए काफी काम किया गया है। उन्होंने दलितों के विकास को लेकर कई योजनाएं चलाई है।

समारोह का आयोजन करवा रहे पूर्व मंत्री जनक राम ने कहा कि बिहार के विकास मित्र सहित संत रविदास के अनुयायी बड़ी संख्या में शामिल हुए हैं। संत रविदास के भक्तों में हर जाति के अनुयायी हैं।

चार साल बाद पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत ने की कांग्रेस में घर वापसी

कोलकाता (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी ने चार साल बाद घर वापसी करते हुए कांग्रेस में शामिल हुए है। बुधवार को मुखर्जी फिर कांग्रेस में शामिल हो गए। 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद वे तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। 2012 और 2014 में जंगीपुर से सांसद रहे मुखर्जी 2019 में लोकसभा चुनाव में हार गए थे। बता दें कि उनकी बहन शर्मिष्ठा मुखर्जी ने हाल में ही कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था। लेकिन अभिजीत के कांग्रेस में शामिल होने के बाद पार्टी ने राहत की सांस ली है।

65 वर्षीय अभिजीत बंगाल कांग्रेस मुख्यालय बिधान भवन में राज्य प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष शुभंकर सरकार की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुए। फिर से कांग्रेस जॉइन करने के बाद उन्होंने कहा कि वह एक सिपाही के रूप में पार्टी में शामिल हुए हैं और पार्टी नेतृत्व के निर्देशों के अनुसार ही काम करुंगा। प्रदेश अध्यक्ष सरकार ने कहा कि अभिजीत के कांग्रेस

जॉइन करने से पार्टी को मजबूती मिलेगी।

अभिजीत पेशे से एक इंजीनियर हैं। राजनीति में आने से पहले उन्होंने बड़ी कॉर्पोरेट फर्मों में काम किया। प्रणब मुखर्जी के राष्ट्रपति बनने के बाद अभिजीत 2012 के उपचुनाव में बंगाल के जंगीपुर से सांसद बने थे। 2014 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी की लहर के बाद भी उन्हें जीत मिली थी। मगर वह 2019 के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के खलीलुर रहमान से हार गए। यह उनके राजनीतिक जीवन का एक बड़ा मोड़ था। 2021 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी की जीत के बाद उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। तब उन्होंने बीजेपी को रोकने का श्रेय ममता बनर्जी को देकर कांग्रेस पर उपेक्षा करने का आरोप लगाया था।

टीएमसी में भी अभिजीत संगठन या सरकार में कोई बड़ी भूमिका में दिखाई नहीं दिए। मुखर्जी अपनी विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में रहे हैं। उन्होंने 2012 में निर्भया कांड के बाद देश भर में हो रहे प्रदर्शन में शामिल महिलाओं को डेंटेड एंड पेंटेड कहकर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था। हालांकि आलोचना के बाद उन्होंने सार्वजनिक तौर से माफी भी मांगी थी।

भारतीय सैनिकों के कथित अपमान पर राहुल गांधी तलब, अगली सुनवाई 24 मार्च को

लखनऊ (एजेंसी)। उप्र की राजधानी लखनऊ की एक अदालत ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कथित तौर पर भारतीय सैनिकों का कथित रुप से अपमान करने वाला बयान देने के मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी को तलब किया है। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम एल) आलोक वर्मा ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 24 मार्च की तारीख तय की है। इससे पहले सीमा सड़क संगठन के सेवानिवृत्त निदेशक (भारतीय सेना में कर्नल के समकक्ष) उदय शंकर श्रीवास्तव की ओर से अधिवक्ता विवेक तिवारी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि की याचिका दायर की थी।

अपनी याचिका में उन्होंने कहा कि 16 दिसंबर 2022 को राहुल गांधी ने 'भारत जोड़ो' यात्रा के दौरान मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए नौ दिसंबर (2022) को अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर भारत तथा चीनी सेना के बीच हुई झड़प का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि राहुल ने कहा, ''लोग भारत जोड़ो यात्रा के बारे में बहुत कुछ पूछेंगे, लेकिन चीनी सैनिकों द्वारा हमारे सैनिकों की पिटाई के बारे में एक बार भी नहीं पूछेंगे।÷ विदित हो कि नौ दिसंबर को सीमा पर चीन और भारत की सेनाओं के बीच हुए विवाद के बाद 12 दिसंबर को भारतीय सेना ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा था कि चीनी सेना भारतीय सीमा पर अतिक्रमण कर रही थी, जिसका भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया और इससे चीनी सेना वापस अपने इलाके में चली गई।

इसमें यह भी कहा गया था कि इस झड़प में दोनों पक्षों को मामूली चोटें आईं। परिवाद में आरोप लगाते हुए कहा गया कि राहुल गांधी के झूठे बयान से परिवादी को आघात पहुंचा है और लोग वादी के ऊपर भारतीय सेना को लेकर कटाक्ष करते हैं। अधिवक्ता ने कहा मामले में अदालत ने गांधी को तलब किया है और अगली तारीख 24 मार्च तय की है।

पीएम मोदी ट्रंप को सौंपेंगे लॉरेंस के भाई समेत इन 12 गैंगस्टरों की कुंडली

नई दिल्ली। अमेरिका में छिपे गैंगस्टरों की शामत आने वाली है, जो अमेरिका में बैठकर भारत में कांड करते हैं। मोदी सरकार ने उनकी कुंडली तैयार कर ली है। एक्शन का पूरा प्लान भी बन गया है। पीएम मोदी अमेरिका पहुंचेंगे तो गैंगस्टरों का काला चिट्ठा भी पहुंच जाएगा। गृह मंत्रालय के निर्देश पर भारत की सुरक्षा एजेंसियों ने अमेरिका में बैठे 12 गैंगस्टरों की लिस्ट और कुंडली तैयार कर ली है। सूत्रों का कहना है कि पीएम मोदी जब अमेरिका में रहेंगे तो ट्रंप प्रशासन से यह लिस्ट शेयर की जा सकती है। अमेरिका को उन गैंगस्टरों की कुंडली से वाकिफ कराने का मकसद उन सभी पर एक्शन है।सूत्रों की मानें तो सुरक्षा एजेंसियों को उम्मीद है कि इससे सफलता मिलेगी। उन अपराधियों को भारत लाने का रास्ता भी साफ होगा। अब सवाल है कि आखिर इसमें किन-किन गैंगस्टरों के नाम हैं। भारत सरकार का यह कदम ऐसे वक्त में आया है, पिछले साल दोनों देशों के बीच एक समझौता हुआ था। पिछले साल भारत-अमेरिका के बीच एक समझौता हुआ था।उसमें दोनों देश में जो अपराधी छिपे हैं, उस पर शिकंजा कसने के लिए सहयोग की बात थी। पिछले 8 महीने से भारत और अमेरिका के सीनियर अधिकारियों के बीच इस मुद्दे पर कई अहम बैठक हो चुकी है। इस संधि के तहत भारत ने भी अमेरिका को इसी तरीके की जानकारी मुहैया करवाई है। बीते दिनों एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई थी। इस मामले के मास्टरमाइंड गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को पिछले साल नवंबर में अमेरिका में गिरफ्तार किया गया था। इमिग्रेशन अधिकारियों ने उसे फर्जी दस्तावेजों के साथ यात्रा करते हुए पाया था। वह तब से अमेरिका की जेल में है। पिछले महीने मुंबई की एक विशेष अदालत ने बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में अनमोल और दो अन्य वांछित आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था।

दिल्ली का सीएम तलाशने भाजपा में मंथन, नड्डा और शाह ने 1 घंटे लगाया दिमाग, रिजल्ट शून्य

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली की जनता ने भाजपा के हाथ में सत्ता की चाबी सौंपी है। इसका मुखिया कौन होगा ये भाजपा को तय करना है। करीब 4 दिनों से इसी पर मंथन हो रहा है लेकिन सीएम कौन होगा इसका जवाब अभी तक नहीं मिला है। बीती रात भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री अमित शाह के बीच करीब एक घंटे विचार विमर्श हुआ लेकिन रिजल्ट शून्य ही रहा। हालांकि ये बात अलग है कि अंदर ही अंदर पार्टी ने सीएम का नाम तय कर लिया हो। सूत्रों की मानें तो अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की इस बैठक में मुख्यमंत्री के नामों पर चर्चा हुई है। इस दौरान दोनों के बीच दिल्ली में सरकार गठन और मुख्यमंत्री के संभावित नामों पर चर्चा हुई। मीटिंग में यह बात तय हुई कि दिल्ली सरकार के गठन पर फैसला 16 फरवरी के बाद होगा। हालांकि, भाजपा के विधायक दलों की बैठक भी 16 फरवरी के बाद ही होगी। सूत्रों का यह भी कहना है कि सीएम कौन होगा, इस पर दोनों के बीच चर्चा हुई है। जिस दिन विधायक दलों की बैठक होगी, उसमें ही सदन का नेता चुना जाएगा। वही दिल्ली का नया मुख्यमंत्री होगा। सीएम की रेस में प्रवेश वर्मा, रेखा गुप्ता, शिखा राय और मोहन सिंह बिष्ट समेत कई नाम हैं। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अभी फ्रांस और अमेरिका की यात्रा पर हैं। वहां से लौटने के बाद भाजपा के विधायक दल की बैठक होने की संभावना है।

लंदन, बैंकॉक जाने से महंगा हुआ महाकुंभ जाना, आसमान पर पहुंचा हवाई किराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाकुंभ में बढ़ती भीड़ और लोगों की जरुरत के चलते कंपनिया इसका फायदा उठा रही हैं। खासतौर से एयरलाइंस कंपनियां कुछ ज्यादा ही इसका फायदा उठाने की कोशिश कर रही हैं। यही वजह है कि लंदन, बैंकॉक जाने से भी ज्यादा महंगा महाकुंभ जाना हो गया है। मौजूदा समय में दिल्ली से प्रयागराज के लिए हवाई किराया 80,000 रुपये तक पहुंच चुका है, जबकि लंदन की एकतरफा टिकट मात्र 3100 रुपये में मिल रही है। सामान्य दिनों में दिल्ली से प्रयागराज का हवाई किराया केवल 3,000 से 5,000 रुपये के बीच होता है। दि?ली ही नहीं मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और बेंगलुरु जैसे अन्य प्रमुख शहरों से भी प्रयागराज जाने वाली उड़ानों के किराए में भारी उछाल देखा गया है। इन शहरों से प्रयागराज के लिए टिकट की कीमतें मुख्य स्नान पर्वों के दौरान 18,000 रुपये से 41,106 रुपये तक पहुंच गई हैं। चेन्नई से प्रयागराज की एकतरफा टिकट की कीमत हाल ही में 70,996 रुपये तक दर्ज की गई थी।

दिल्ली से प्रयागराज की हवाई यात्रा अब अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से भी महंगी हो गई है। लंदन और बैंकॉक की एकतरफा फ्लाइट टिकट की तुलना में दिल्ली से प्रयागराज की टिकट ज?यादा महंगी हो गई है। महाकुंभ के प्रमुख स्नान पर्वों जैसे मौनी अमावस्या (29 जनवरी), बसंत पंचमी (3 फरवरी), माघी पूर्णिमा (12 फरवरी) और महाशिवरात्रि (26 फरवरी) के दौरान हवाई किराए में अप्रत्याशित बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उदाहरण के लिए, 31 जनवरी को दिल्ली से प्रयागराज की एकतरफा टिकट का किराया 33,590 रुपये था, जबकि सामान्य किराया मात्र 5,000 रुपये होता है। भुवनेश्वर से प्रयागराज की उड़ान का किराया भुवनेश्वर से बैंकॉक तक की उड़ान की कीमत से चार गुना अधिक है। भुवनेश्वर से प्रयागराज की उड़ान की कीमत 39,508 है, जबकि भुवनेश्वर से बैंकॉक की उड़ान की कीमत 13,538 से शुरू है। वहीं, सामान्य दिनों में इस मार्ग के उड़ानों की कीमत तीन से चार हजार तक से शुरू हो जाती है। वहीं, महाकुंभ समाप्त होने के बाद की टिकट बहुत सस्ती मिल रही हैं। अकासा एयर की टिकट 4,000 से थोड़ी ज्यादा है तो इंडिगो 4,059-9,888 में टिकट उपलब्ध करा रही है। स्पाइसजेट 4,121-13,842 में, एयर इंडिया, 4,201-24,906 तो एलायंस एयर 5,114-5,639 में टिकट उपलब्ध करा रही है।

निराश करती है जनप्रतिनिधि अपराध मामलों में देरी

ललित गर्ग

दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तो यह है कि साफ-सुथरी एवं अपराधमुक्त राजनीति का दावा करने वाले दल ही सर्वाधिक अपराधी लोगों को उम्मीदवार बना रही है। विडंबना है कि यह प्रवृत्ति कम होने के बजाय हर अगले चुनाव में और बढ़ती ही दिख रही है। आखिर कब तक अपराधी तत्व हमारे भाग्य-विधाता बनते रहेंगे? कब तक आम आदमी इस त्रासदी को जीने के लिये मजबूर होते रहेंगे।

वर्तमान और पूर्व संसद सदस्यों और विधानसभा सदस्यों के खिलाफ लंबित पांच हजार आपराधिक मामलों के निपटारे की सुनवाई कर रही एमपी-एमएलए अदालतों में कोई उल्लेखनीय प्रगति होते हुए न दिखना न केवल निराशाजनक है बल्कि यह कानून व्यवस्था की बड़ी विसंगति है। इस सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में आग्रह किया गया कि कोर्ट इन मामलों का जल्द से जल्द निपटारा करने एवं त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देश जारी करे। अपेक्षा यह की गई थी कि इन मामलों की सुनवाई त्वरित गति से होगी, लेकिन इसका उलटा हो रहा है। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान लोकसभा के 543 सदस्यों में से 251 के खिलाफ आपराधिक मामले हैं, जिनमें से 170 गंभीर आपराधिक मामले हैं, जिनमें पांच साल या उससे अधिक की सजा हो सकती है। हाल ही दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणामों में भी आपराधिक छवि के विधायकों की बड़ी संख्या चिन्ता में डालते हुए शर्मसार कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के 48 नवनिर्वाचित विधायकों में से 16 यानी 33 प्रतिशत और आम आदमी पार्टी के 22 में से 15 यानी 68 प्रतिशत नवनिर्वाचित विधायकों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, भाजपा के सात और आप के 10 विधायक गंभीर किस्म के आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से समय-समय पर दिए गए आदेशों और हाईकोर्ट की निगरानी के बावजूद सांसदों और विधायकों के खिलाफ बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं, जो हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर एक बदनुमा धब्बा हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तो यह है कि साफ-सुथरी एवं अपराधमुक्त राजनीति का दावा करने वाले दल ही सर्वाधिक अपराधी लोगों को उम्मीदवार बना रही है। विडंबना है कि यह प्रवृत्ति कम होने के बजाय हर अगले चुनाव में और बढ़ती ही दिख रही है। आखिर कब तक अपराधी तत्व हमारे भाग्य-विधाता बनते रहेंगे? कब तक आम आदमी इस त्रासदी को जीने के लिये मजबूर होते रहेंगे। भारत के लोकतंत्र के शुद्धिकरण एवं मजबूती के लिये अपराधिक राजनेताओं एवं राजनीति के अपराधीकरण पर नियंत्रण की एक नई सुबह का इंतजार कब तक करना होगा? त्रासद एवं दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि पूर्व एवं वर्तमान विधायकों और सांसदों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित की गई अदालतें उनके मामलों का समय पर निपटारा करने में विफल साबित हो रही हैं। बड़ी संख्या में मामलों का लंबित रहना, जिनमें से कुछ तो दशकों से लंबित हैं, यह दशार्ता है कि सांसदों एवं विधायकों का अपने विरुद्ध मामलों की जांच या सुनवाई पर बहुत अधिक प्रभाव है और अपने राजनीतिक वर्चस्व एवं प्रभाव के कारण मुकदमे को पूरा नहीं होने दिया जाता है।

ऐसा लगता है कि उच्च न्यायालय अपने इस दायित्व का निर्वहन सही तरह से नहीं कर पा रहे हैं। समय-समय पर ऐसी खबरें भी आती रही हैं कि एमपी-एमएलए अदालतों को जनप्रतिनिधियों के मामलों के निपटारे में तेजी लाने को कहा है, लेकिन इसके कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ सके। समझना कठिन है कि जिन अदालतों का गठन ही कुछ विशेष मामलों के निस्तारण के लिए हुआ है, वे उनकी सुनवाई में प्राथमिकता का परिचय क्यों नहीं दे रही हैं? उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट इन अदालतों को यह स्पष्ट निर्देश दे कि वे जनप्रतिनिधियों के मामलों की सुनवाई एक निश्चित समय सीमा में करें और ऐसा करने के लिए उच्च न्यायालयों को निर्देशित करे। यदि ऐसा कुछ नहीं किया जाता तो राजनीति के अपराधीकरण को रोकना बहुत कठिन होगा और आपराधिक छवि के नेताओं के मामलें न्यायालयों में बढ़ते ही जायेंगे। यह स्थिति लोकतंत्र का उपहास उड़ाने वाली ही है। यह स्थिति अधिक चिन्ताजनक एवं दुखद इसलिये भी है कि अब तो गंभीर आपराधिक मामलों में जेल में बंद लोगों को चुनाव प्रचार के लिए भी जमानत देने का सिलसिला कायम हो गया है। जनप्रतिनिधि भी रक्षक नहीं, भक्षक हो रहे हैं। ये कानून का भक्षण करने में माहिर होते जा रहे हैं। ये कैसे जनप्रतिनिधि हैं जो पहले वोट मांगते हैं, फिर जीत के बाद लोगों को लात मारते हुए उनके साथ तरह-तरह के अपराध करते हैं। लोकतंत्र के मुखपृष्ठ पर बहुत धब्बे हैं, अंधेरे हैं, वहां मुखौटे हैं, गलत तत्त्व हैं, खुला आकाश नहीं है। मानो प्रजातंत्र न होकर अपराध तंत्र हो गया। क्या यही उन शहीदों का स्वप्न था, जो फांसी पर झूल गये थे? राजनीतिक व्यवस्था और सोच में व्यापक परिवर्तन हो ताकि कोई भी अपराधों में लिप्त नेता जन-प्रतिनिधि न बन सके।

दिल्ली नगर निगम चुनावों में जीते पार्षदों के संदर्भ में एडीआर और ह्यदिल्ली इलेक्शन वाचह्न ने चौंकाने वाली रिपोर्ट जारी कर यह बताया गया है कि दो सौ अड़तालीस विजेताओं में से बयालीस यानी सत्रह प्रतिशत निर्वाचित पार्षद ऐसे हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा, उन्नीस पार्षद गंभीर आपराधिक मामलों के आरोपी हैं। इससे पूर्व दिल्ली में फरवरी, 2020 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भी एडीआर ने अपने विश्लेषण में चुने गए कम से कम आधे विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज पाए थे। इसमें मुख्य रूप से आम आदमी पार्टी के विधायक थे। अब प्रश्न है कि दिल्ली नगर निगम हो या विधानसभा के चुनावों में भी आप पार्टी ने उम्मीदवार बनाने के लिए स्वच्छ छवि के व्यक्ति को तरजीह देने की जरूरत क्यों नहीं समझी? जबकि इस पार्टी का घोष ही रहा अपराध एवं भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति।

चुनावी सुधारों पर होने वाली तमाम चचाओं में राजनीति का अपराधीकरण एक अहम मुद्दा रहता है। राजनीति का अपराधीकरण-ह्यअपराधियों का चुनाव प्रक्रिया में भाग लेनाह्न-हमारी निर्वाचन व्यवस्था का एक नाजुक अंग बन गया है। मौजूदा लोकसभा सदस्यों में सर्वाधिक 29 प्रतिशत सदस्यों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि पिछली लोकसभा में यह आँकड़ा तुलनात्मक रूप से कम था। राजनीति का अपराधीकरण भारतीय लोकतंत्र का एक स्याह पक्ष है, जिसके मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय और निर्वाचन आयोग ने कई कदम उठाए हैं, किंतु इस संदर्भ में किये गए सभी नीतिगत प्रयास समस्या को पूर्णतः नियंत्रित करने में असफल रहे हैं। हालांकि एक अच्छी पहल यह हुई है कि अब हाईकोर्ट की इजाजत के बिना सरकार किसी भी सांसद एवं विधायक के खिलाफ दर्ज मामले वापस नहीं ले सकती है। राजनीति के अपराधीकरण के कारण चुनावी प्रक्रिया में काले धन का प्रयोग काफी अधिक बढ़ जाता है। इसका देश की न्यायिक प्रक्रिया पर भी दुष्प्रभाव देखने को मिलता है और अपराधियों के विरुद्ध जाँच प्रक्रिया धीमी हो जाती है। राजनीति में प्रवेश करने वाले अपराधी सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं और नौकरशाही, कार्यपालिका, विधायिका तथा न्यायपालिका सहित अन्य संस्थानों पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। यह स्थिति समाज में हिंसा, भ्रष्टाचार, उत्पीड़न की संस्कृति को प्रोत्साहित करती है और भावी जनप्रतिनिधियों के लिये एक गलत उदाहरण प्रस्तुत करती है। वैसे तो भारत का लोकतंत्र बड़े-बड़े बाहुबली एवं आपराधिक पृष्ठभूमि के नेताओं के शर्मनाक कृत्यों का गवाह रहा है, बार-बार शर्मसार हुआ है। यही कारण है कि राजनीति का चरित्र गिर गया और साख घटती जा रही है।

इन वर्षों में जितने भी चुनाव हुए हैं वे चुनाव अर्हता, योग्यता एवं गुणवत्ता के आधार पर न होकर, व्यक्ति, दल या पार्टी के धनबल, बाहुबल एवं जनबल के आधार पर होते रहे हैं, जिनको आपराधिक छवि वाले राजनेता बल देते रहे हैं। आप ने भ्रष्टाचार एवं अपराधों पर नियंत्रण की बात करते हुए राजनीति का बिगुल बजाया। लेकिन यह दल तो जल्दी ही अपराधी तत्वों से घिर गया। नेताओं की चादर इतनी मैली है कि लोगों ने उसका रंग ही काला मान लिया है। अगर कहीं कोई एक प्रतिशत ईमानदारी दिखती है तो आश्चर्य होता है कि यह कौन है? पर हल्दी की एक गांठ लेकर थोक व्यापार नहीं किया जा सकता है। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे बड़ा संकट है। आदर्श लोकतंत्र एवं समाज व्यवस्था का निर्मित करने की जिम्मेदारी इन्हीं नेताओं पर है, जिनका चरित्र एवं साख मजबूत होना जरूरी है। दुःखद स्थिति है कि भारत अपनी आजादी के अमृत काल तक पहुंचते हुए भी स्वयं को ईमानदार नहीं बना पाया, चरित्र सम्पन्न राष्ट्र नहीं बन पाया।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

महाजाम की जटिल व्यवस्था

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में देश ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी करोड़ों श्रद्धालू पवित्र स्नान के लिए उमड़.रहे हैं। 144 साल बाद पड़.रहे इस महाकुंभ में आने के रास्तों में महाजाम लग गया है। तीन सौ किमी. लंबे जाम को दुनिया का सबसे बड़ा जाम बताया जा रहा है। यह विशेष पर्व ज्यों-ज्यों अपने आखिरी पड़ाव की तरफ बढ़ रहा है, श्रद्धालुओं में इसका आकर्षण बढ़ता जा रहा है। वाराणसी से प्रयागराज के मार्ग पर दस किमी. लंबा जाम है। रींवा-चित्रकूट से आने वाले मार्ग पर तकरीबन सत्रह किमी. तो भदोही से प्रयागराज पहुंचने वाले रास्ते पर पंद्रह किमी. और मिजार्पुर से आने वाले मार्ग पर बारह किमी. का महाजाम लगा है। जिला व पुलिस प्रशासन के सारे दावों की धज्जियां उड़ाने वाले इस जाम में फंसे प्यासे-भूखे और परेशान लोगों के पास कोई विकल्प नहीं है। बिखलते नन्हे बच्चों और बीमार-बुजुर्गों के परिवार रेंगते वाहनों में ट्रैफिक अरेस्ट से जूझने को मजबूर हैं। फ्रांस में भारी बर्फबारी के चलते 1980 में 175 किमी. लंबे जाम को सबसे बड़े.जाम के रूप में याद किया जाता है। 2010 में बीजिंगझतिब्बत हाईवे पर लगे सौ किमी. के जाम से निकलने में दस दिन लग गए थे। मगर यह न तो प्राकृतिक आपदा है, न ही अचानक लगा जाम है। सरकारी दावों और व्यवस्था को लेकर तमाम प्रचार के खोखलेपन का उपहास बन रहा है। भगदड़. और बार-बार आग लगने के पीछे लापरवाही छिपी नहीं है। लखनऊ, सुलतानपुर, रायबरेली, गोरखपुर, आजमगढ़ से अयोध्या की तरफ जाने वाली सड़कों पर भी यातायात बुरी तरह प्रभावित है। प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन कोआवागमन के लिए बंद करने के आदेश को अफरातफरी के बाद इसे अफवाह ठहरा कर लीपापोती की गई। जाहिर है, इससे यात्रियों को भारी असुविधा होती है। स्थानीय नागरिकों को हो रही दिक्कतों पर बात नहीं हो रही है जबकि उनकी दिनचर्या भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है, उन्हें घरबंदी में जीना पड़.रहा है। शहर और सड़कों की क्षमता का अनुमान लगाए बगैर भव्य आयोजन और करोड़ों की धन राशि उड़ाने का उद्देश्यहीन योजना की जितनी निंदा की जाए कम है। श्रद्धालुओं को हो रही दिक्कतों को बरगलाने और छद्म प्रचार से महाकुंभ के साथ महाजाम के संगम को झुठलाने से हकीकत को बदला नहीं जा सकता।

चिंतन-मनन

आध्यात्मिक आकाश का प्रकाश

चिन्मय आकाश में न तो सूर्यप्रकाश की आवश्यकता है, न चन्द्रप्रकाश अथवा अग्नि या बिजली की, क्योंकि सारे लोक स्वयं प्रकाशित हैं। इस ब्रह्मांड में केवल एक लोक- सूर्य, ऐसा है जो स्वयं प्रकाशित है। लेकिन आध्यात्मिक आकाश में सभी लोक स्वयं प्रकाशित हैं। उन समस्त लोकों के (जिन्हें वैकुण्ठ कहा जाता है) चमचमाते तेज से चमकीला आकाश बनता है, जिसे ब्रह्मज्योति कहते हैं। इस तेज का एक अंश महत-तत्व अर्थात जगत से आच्छादित रहता है। जब तक जीव इस अंधकारमय जगत में रहता है, तब तक वह बद्ध अवस्था में होता है। लेकिन ज्यों ही वह भौतिक जगत रूपी मिथ्या, विकृत वृक्ष को काटकर आध्यात्मिक आकाश में पहुंचता है, त्यों ही मुक्त हो जाता है। तब वह यहां वापस लेकिन अपनी मुक्त अवस्था में आध्यात्मिक राज्य में प्रवेश करता है और परमेर का पार्षद बन जाता है। वहां पर वह सच्चिदानंदमय जीवन बिताता है।

जो इस संसार से अत्यधिक आसक्त है, उसके लिए इस आसक्ति का छेदन करना दुष्कर होता है। लेकिन यदि वह कृष्णभावनामृत को ग्रहण कर ले, तो उसके क्रमशः छूट जाने की संभावना है। उसे ऐसे भक्तों की संगति करनी चाहिए जो कृष्णभावनाभावित होते हैं। उसे ऐसा समाज खोजना चाहिए, जो कृष्णभावनामृत के प्रति समर्पित हो और उसे भक्ति करनी सीखनी चाहिए। इस प्रकार वह संसार के प्रति अपनी आसक्ति विच्छेद कर सकता है। यदि कोई चाहे कि केसरिया वस्त्र पहनने से भौतिक जगत के आकषर्ण से विच्छेद हो जाएगा, तो ऐसा संभव नहीं है। उसे भगवद्भक्ति के प्रति आसक्त होना पड़ेगा। यहां परमं मम शब्द बहुत महत्वपूर्ण हैं। वास्तव में जगत का कोना-कोना भगवान की सम्पत्ति है, परंतु दिव्य जगत परम है और छह ऐयरे से पूर्ण है। कठोपनिषद् में भी इसकी पुष्टि की गई है कि दिव्य जगत में सूर्यप्रकाश, चन्द्र प्रकाश या तारागण की कोई आवश्यकता नहीं है। क्योंकि समस्त आध्यात्मिक आकाश भगवान की आन्तरिक शक्ति से प्रकाशमान है। उस परम धाम तक केवल शरणागति से ही पहुंचा जा सकता है, अन्य किसी साधन से नहीं।

ट्रंप ने सारी दुनिया में गिराई अमेरिका की साख

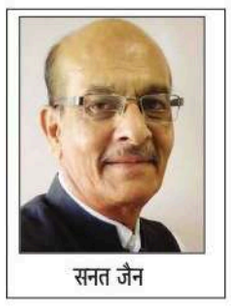

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विदेशी भ्रष्ट आचरण कानून पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। ट्रंप के इस आदेश के बाद विदेश में व्यापार या ठेका हासिल करने के लिए अब अमेरिकी कंपनी द्वारा रिश्वत देना अपराध नहीं होगा। अभी तक अमेरिकी कानून के अनुसार यह एक बड़ा अपराध था, जिसके कारण अमेरिकी सरकार अथवा अमेरिका की कंपनियां जो सारी दुनिया के देशों में जो व्यापार करती थी, इस कानून से यह संदेश जाता था, अमेरिका की कंपनियां अन्य देशों में रिश्वत नहीं देती हैं। जिसके कारण अमेरिका की सरकार और अमेरिकी कंपनियों की साख पूरी दुनिया के देशों में बनी हुई थी। लुके-छुपे तौर पर यदि कोई कंपनी या व्यक्ति इस तरीके की कोशिश करता था, ऐसी स्थिति में अमेरिकी कानून के अनुसार उसे आर्थिक तथा आपराधिक मामलों में सजा से दंडित किया जाता था। ट्रंप ने जो निर्णय अभी लिया है, उससे सारी दुनिया के देशों में यह संदेश गया है। अमेरिका की कंपनियां अपने लाभ के लिए दुनिया के किसी भी देश के राजनेता, अधिकारियों या कारोबारियों को रिश्वत देकर ठेका हासिल कर सकती हैं। रिश्वत देकर सामान खरीदने-बेचने के कांटेक्ट हासिल कर सकती हैं। अमेरिका के साथ-साथ दुनिया के अन्य देशों को इस निर्णय से सबसे बड़ा नुकसान होने जा रहा है। किसी भी देश में अमेरिका की कंपनियों से व्यापार या कारोबार किया जाएगा, वह सभी शक के दायरे में होंगी। जिन देशों के कारोबारी या सरकारें अमेरिकी कंपनियों से खरीददारी करेंगी, उन्हें भी शक की निगाह से देखा जाएगा। ट्रंप का यह निर्णय ऐसे समय पर आया है, जबकि अमेरिकी कानून के अनुसार भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी सहित आठ लोगों के ऊपर अमेरिका में अपराधिक मामला दर्ज है। 21 नवंबर 2024 को अमेरिका की कोर्ट में 2200 करोड़ रुपए की घूस के मामले में गौतम अडानी और अन्य के खिलाफ वारंट जारी हो चुके हैं। वारंट जारी होने के बाद से गौतम अडानी अमेरिका नहीं जा पा रहे हैं। उनका व्यवसाय पूरी दुनिया में प्रभावित हुआ है। गौतम अडानी ने अमेरिकी कानून से बचने के लिए वहां के सांसदों को अपनी पैरवी में उतारा था। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अडानी को राहत पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे थे। भारत के विदेश मंत्री जयशंकर भी राजनायिक और कूटनीतिक संबंधों का इस्तेमाल कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के पहले भारत सरकार ने जिस तरह से आयात-निर्यात व्यापार में अमेरिका के पक्ष में शुल्क को घटाया है, वह सब अडानी समूह की राहत से जोड़कर देखा जा रहा है। ट्रंप और एलन मस्क की जोड़ी की राजनेता के स्थान पर एक कारोबारी के रुप में पहचान है। दोनों ही अपने निजी कारोबार एवं फायदे को ध्यान में रखते हुए अमेरिकी सरकार के निर्णय कर रहे हैं। गौतम अडानी और भारतीय कारोबार पर एलन मस्क की भी नजर है। डोनाल्ड ट्रंप भी भारत में अपना कारोबार बढ़ाने के प्रयास में लगे हुए हैं। गौतम अडानी की गर्दन पूरी तरह से अमेरिका के शिकंजे में फंस गई है। भारत सरकार किसी भी कीमत पर गौतम अडानी को अमेरिकी कानून के चक्कर से बचाना चाहती है। अडाणी को बचाने के चक्कर में भारत को काफी आर्थिक नुकसान उठाने पड़ेंगे। दीर्घकालीन कई ऐसे समझौते हो सकते हैं, जिसके कारण भारत के हित बुरी तरह से प्रभावित होंगे। अमेरिका को भी अभी तक का सबसे बड़ा नुकसान होने की आशंका बन गई है। डोनाल्ड ट्रंप के इस निर्णय से अमेरिका की नैतिकता और पारदर्शिता पूरी तरह से दुनिया के देशों में खत्म होगी। ट्रंप के वर्तमान निर्णयों से अमेरिका की छवि एक गैंगस्टर की तरह बनने लगी है। जो लाभ के लिए किसी भी स्तर पर जाकर नैतिक और अनैतिक काम करने से पीछे नहीं हटता है। अमेरिका से कारोबार करने वाले अन्य देशों के राजनेताओं और कारोबारियों के ऊपर रिश्वतखोरी के आरोप बड़े पैमाने पर लगेंगे, जिसके कारण दुनिया के देशों में राजनीतिक अस्थिरता, रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार का वातावरण बढ़ेगा। अमेरिका को इतना बड़ा नुकसान इसके पहले कभी नहीं हुआ, जो अब हो सकता है। एक बार अमेरिका की छवि रिश्वत देकर कारोबार करने की बन गई, तो दुनिया के सभी देश अमेरिका के साथ दूरियां बनाना शुरू कर देंगे। अमेरिका अभी दुनिया का बादशाह बना हुआ है। ट्रंप के इस निर्णय से अमेरिका की बादशाहत खतरे में पड़ जाएगी। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। जल्द ही इसके परिणाम अमेरिका को भोगना पड़ सकता है। जिस तरह से ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरूआत हुई है। उसके बाद कहा जाने लगा है, जिस तरह से सोवियत रूस, रेत के महल की तरह भरभरा कर गिरा था। उसी स्थिति में अब अमेरिका ने सफर शुरू कर दिया है।

नक्सलवाद : निर्णायक लड़ाई में आगे बढ़ रहा देश

प्रमोद भार्गव

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों के नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। डिस्ट्रिक रिजर्व गॉर्ड, एसटीएफ और बस्तर योद्धाओं के संयुक्त दल ने इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में 31 नक्सली मार दिए। बीजापुर में सात दिन में यह दूसरी बड़ी मुठभेड़ है। इससे पहले गंगालूर क्षेत्र में 2 फरवरी को 8 नक्सली मारे गए थे। इसी तरह 4 अक्टूबर 2024 को सुरक्षा बलों ने अबूझमाड़ के थुलथुली में 38 नक्सलियों को मार गिराया था, लेकिन अब नक्सलियों को बालों लगातार चुनौती मिल रही है। नक्सलियों का दमन हो रहा है।

केंद्र सरकार ने 2026 तक नक्सलवाद का पूर्ण सफाया करने का संकल्प लिया हुआ है। बावजूद नक्सलियों का अस्तित्व अब तक बना है तो इसलिए क्योंकि कुछ देश विरोधी ताकतें उन्हें धन, घातक हथियार, विस्फोटक और उत्तम गुणवत्ता की संचार प्रणाली उपलब्ध करा रहे हैं। लगता है कि सजातीय वनवासियों और ग्रामीणों पर उनकी पकड़ अभी भी बनी हुई है। उधर, छत्तीसगढ़ सरकार ने भी दो टूक कह दिया है कि या तो नक्सली समाज से जुड़ जाएं या खात्मे के लिए तैयार रहें। नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुई है। नई रणनीति के अंतर्गत अब सरकार की कोशिश है कि सीआरपीएफ की तैनाती उन सब अज्ञात क्षेत्रों में कर दी जाए, जहां नक्सली अभी भी ठिकाना बनाए हुए हैं। इस नाते केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में 4000 से अधिक सैन्यबल तैनात करने जा रहा है। केंद्र सरकार की कोशिश है कि 31 मार्च 2026 तक इस क्षेत्र को पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाए। इतनी बड़ी संख्या में सैन्यबलों की अज्ञात क्षेत्र में पहुंच का मतलब है कि अब इस उग्रवाद से अंतिम लड़ाई होने वाली है। जिस तरह से नरेन्द्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से आतंक और अलगाववाद खत्म करने की निर्णायक लड़ाई लड़ी थी, वैसी ही स्थिति अब छत्तीसगढ़ में अनुभव होने लगी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र कमजोर हुआ है, लेकिन उसकी शक्ति अभी शेष है। अब तक पुलिस व गुप्तचर एजेंसियां इनका सुराग लगाने में नाकाम होती रही थीं, लेकिन नक्सलियों पर शिकंजा कसने के बाद से इनको भी सूचनाएं मिलने लगी हैं। इसी का नतीजा है कि सैन्यबल इन्हें निशाना बनाने में लगातार कामयाब हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं। इनका कार्यक्षेत्र वह आदिवासी बहुल इलाका है, जिससे ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्षाबलों को लगा पाना मुष्किल होता है, लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर लेते हैं। नक्सली समस्या से निपटने के लिए राज्य व केंद्र सरकार दावा कर रही हैं कि विकास इस समस्या का निदान है। यदि छत्तीसगढ़ सरकार के विकास संबंधी विज्ञापनों में दिए जा रहे आंकड़ों पर भरोसा करें तो छत्तीसगढ़ की तस्वीर विकास के मानदण्डों को छूती दिख रही है, लेकिन इस अनुपात में यह दावा बेमानी है कि समस्या पर अंकुश विकास की धारा से लग रहा है? क्योंकि इसी दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं को नक्सली बनाए जाने के प्रमाण भी मिले हैं। बावजूद कांग्रेस के इन्हीं नक्सली क्षेत्रों से ज्यादा विधायक जीतकर आते रहे हैं। हालांकि नक्सलियों ने कांग्रेस पर 2013 में बड़ा हमला बोलकर लगभग उसका सफाया कर दिया था। कांग्रेस नेता महेन्द्र कर्मा ने नक्सलियों के विरुद्ध 'सलवा जुडूम' को 2005 में खड़ा किया था। सबसे पहले बीजापुर जिले के ही कुर्तु विकासखण्ड के आदिवासी ग्राम अंबेली के लोग नक्सलियों के खिलाफ खड़े होने लगे थे। नतीजतन नक्सलियों की महेन्द्र कर्मा से ठन गई। इस हमले में कर्मा के साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नंदकुमार पटेल और हरिप्रसाद समेत एक दर्जन नेता मारे गए थे, लेकिन कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में अपनी खोई शक्ति फिर से हासिल कर ली थी, बावजूद नक्सलियों पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पाई। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को अपदस्थ कर भाजपा अब फिर सत्ता में है। उसके बाद से ही नक्सलियों के सफाए का सिलसिला चल रहा है।

दरअसल, देश में तथाकथित शहरी बुद्धिजीवियों का एक तबका ऐसा भी रहा है, जो माओवादी हिंसा को सही ठहराकर संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ था। यह न केवल उनको वैचारिक खुराक देकर उन्हें उकसाने का काम करता था, बल्कि उनके लिए धन और हथियार जुटाने के माध्यम भी खोलता था। बावजूद इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जब ये राष्ट्रघाती बुद्धिजीवी पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किए गए तो बौद्धिकों और वकीलों के एक गुट ने देश के सर्वोच्च न्यायालय को भी प्रभाव में लेने की कोशिश की। माओवादियों के खिलाफ जाता है, उसकी बोलती बंद कर दी जाती है, लेकिन अब इस चरमपंथ पर पूर्ण अंकुश लगाता दिखाई दे रहा है।

वैलेंटाइन डे पर पार्टनर के साथ इन जगहों पर घूमने जाएं, ट्रिप रहेगी यादगार

फरवरी का महीना लव बर्ड्स के लिए बेहद खास माना जाता है। फरवरी महीने को प्यार का महीना कहा जाता है। इस दौरान लोग अपने पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बनाते है। यदि आप भी कहीं जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आप इन रोमांटिक जगहों पर जरुर जाएं। यह ट्रिप आपकी बेहद यादगार रहेगी।

फरवरी का महीना प्यार महीना कहा जाता है। इस महीने में वैलेंटाइन डे आता है, जो कि कपल इसे सेलिब्रट करते हैं। कुछ ही दिनों में वैलेंटाइन वीक शुरु हो जाएगा। इस खास महीने में लव बर्ड्स कहीं न कहीं घूमने का प्लान जरुर बनाते हैं। अगर आप भी फरवरी में अपने पार्टनर के साथ छुट्टियां बिताना चाहते हैं और घूमने के लिए जगह की तलाश कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आइए आपको बताते हैं कि आप किस रोमांटिक प्लेस पर घूमने जा सकते हैं।

दार्जिलिंग

फरवरी के महीने में घूमने के लिए सबसे बढ़िया डेस्टिनेशन है दार्जिलिंग। यह पश्चिम बंगाल में स्थित है, जो कि चाय के बागानों से घिरी हुई है। यहां पर टाइगर हिल में एक टॉय ट्रेन चलती है इसमें बैठकर आप सुंदर पहाड़ियों का नजारा देख सकते हैं। वैलेंटाइन डे सेलिब्रेशन के लिए यह जगह काफी अच्छी है।

महाबलेश्वर

अगर आप भी पार्टनर के साथ फरवरी में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह एक अच्छी डेस्टिनेशन में से एक है। यह जगह हरे-भरे प्रकृति और सुकून भरे मौसम के साथ ही पहाड़ों के नजारे देख सकते हैं। झरने और झील देख सकते हैं। मुंबई के पास इस जगह पर लोग वीकेंड पर जाना काफी पसंद करते हैं।

गोवा

अगर आप फरवरी में कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप अपने पार्टनर के साथ गोवा जा सकते हैं। यहां पर आप समुद्र के किनारे सनसेट का मजा ले सकते हैं। यहां पर घूमने कई जगहे हैं। गोवा में आप एडवेंचर एक्टिविटी कर सकते हैं और आप समुंद्र किनारे अपने पार्टनर के साथ सुकून के पल बिता सकते हैं।

हम्पी

खूबसूरत नजारे के लिए हम्पी काफी फेमस है। यूनेस्को की विश्व धरोहर मानी जाने वाली यह जगह एक हनीमून के लिए भी सबसे बढ़िया है। यहां पर केले के बागान और बिखरी पहाड़ियां हम्पी शहर के प्रमुख आकर्षणों में से एक हो सकती हैं। हम्पी में घूमने के लिए काफी जगहें है।

ट्रैकिंग के शौकिनों के लिए यह एक आदर्श स्थल है येलागिरी

येलागिरी की प्रमुख आकर्षणों में से एक येलागिरी झील है, जहां पर्यटक नौका विहार का आनंद ले सकते हैं। इस झील के चारों ओर हरे-भरे बाग-बगिचे और प्राकृतिक सुंदरता फैली हुई है, जो पर्यटकों को विश्राम और शांति का अहसास कराती है।

येलागिरी, तमिलनाडु राज्य का एक छोटा सा पर्वतीय स्थल है, जो चित्ताकर्षक प्राकृतिक दृश्यावलियों, शांतिपूर्ण वातावरण और रोमांचक पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थान विशेष रूप से उन पर्यटकों के लिए आदर्श है जो शहरी हलचल से दूर शांतिपूर्ण जगहों की तलाश में रहते हैं। यहां के हरे-भरे पहाड़, खूबसूरत झीलें और सुरम्य ट्रैकिंग रूट्स पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। आइए जानते हैं येलागिरी के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. येलागिरी झील

येलागिरी की प्रमुख आकर्षणों में से एक येलागिरी झील है, जहां पर्यटक नौका विहार का आनंद ले सकते हैं। इस झील के चारों ओर हरे-भरे बाग-बगिचे और प्राकृतिक सुंदरता फैली हुई है, जो पर्यटकों को विश्राम और शांति का अहसास कराती है। यहां बच्चों के खेलने के लिए पार्क भी हैं, जो इसे परिवारों के लिए एक आदर्श स्थल बनाता है।

2. स्वामीमलई हिल्स

स्वामीमलई हिल्स येलागिरी की सबसे ऊंची चोटी है और यहां ट्रैकिंग का आनंद लिया जा सकता है। ट्रैकिंग के शौकिनों के लिए यह एक आदर्श स्थल है, क्योंकि यहां की चढ़ाई आपको अद्वितीय दृश्य और प्रकृति के नजारे प्रदान करती है। इसके ऊपर से आसपास के इलाके का दृश्य बहुत ही मनमोहक होता है।

3. पंगलिंगम झरना

येलागिरी के पंगलिंगम झरने में गिरते हुए पानी की आवाज़ और ठंडी हवा पर्यटकों को ताजगी का एहसास कराती है। यह झरना प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकिनों के लिए एक आदर्श स्थल है। यहां पहुंचने के लिए कुछ ट्रैकिंग भी करनी पड़ती है, जो इस स्थान को और भी रोमांचक बनाती है।

4. जैन मंदिर

येलागिरी में स्थित जैन मंदिर एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है। यह मंदिर शांतिपूर्ण वातावरण में स्थित है और यहां के दर्शन करने से एक अलग ही अनुभव मिलता है। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और धार्मिक महत्व के कारण पर्यटकों को आकर्षित करता है।

5. विलियानुर झरना

यह झरना येलागिरी के पास स्थित एक और लोकप्रिय स्थान है। यहां पर गिरते पानी के झरने के साथ-साथ आसपास की हरी-भरी वादियों का दृश्य बहुत ही मनमोहक होता है। इस झरने के पास घूमने और प्रकृति के नजारे का आनंद लिया जा सकता है।

6. येलागिरी पार्क

यह पार्क येलागिरी झील के पास स्थित है और यहां आप परिवार के साथ पिकनिक का आनंद ले सकते हैं। पार्क में बच्चों के खेलने के लिए खेलकूद के सामान और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह स्थल विशेष रूप से परिवारों के लिए एक आदर्श गंतव्य है।

7. अक्टिविटी और एडवेंचर स्पोर्ट्स

येलागिरी में कई एडवेंचर एक्टिविटीज़ भी होती हैं, जैसे पैराग्लाइडिंग, ट्रैकिंग, माउंटेन बाइकिंग आदि। इन गतिविधियों के माध्यम से आप प्रकृति के करीब जाकर रोमांचक अनुभव ले सकते हैं।

8. जंगल सफारी

अगर आप जंगल और वन्यजीवों के प्रेमी हैं, तो येलागिरी के आस-पास के जंगलों में सफारी का अनुभव भी ले सकते हैं। यहां के घने जंगलों में विभिन्न प्रकार के पक्षी और जानवरों की प्रजातियां पाई जाती हैं।

9. सूर्योदय और सूर्यास्त दृश्य

येलागिरी के पहाड़ों से सूर्योदय और सूर्यास्त का दृश्य अत्यंत अद्भुत होता है। यहां के पहाड़ी इलाकों में सूरज के निकलने और ढलने के समय के दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। यदि आप प्रकृति प्रेमी हैं, तो यह दृश्य आपके लिए यादगार होगा।

येलागिरी एक शांति और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर स्थल है। यहाँ का वातावरण, झीलें, झरने, पहाड़ और ट्रैकिंग रूट्स आपको शांति और रोमांच का बेहतरीन मिश्रण प्रदान करते हैं। यदि आप एक यात्रा प्रेमी हैं और प्राकृतिक सौंदर्य में खो जाना चाहते हैं, तो येलागिरी एक बेहतरीन गंतव्य हो सकता है।

इस सुरम्य पहाड़ी स्थल पर यात्रा करते हुए आप न केवल अपनी मानसिक शांति को पुनः प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि एक अद्भुत अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं।

कोलकाता की इन 3 जगहों पर सेलिब्रेट करें बर्थडे, खास और यादगार बन जाएगा दिन

किसी खास जगह पर जाकर बर्थडे मनाकर लोग इसको एक यादगार पल बनाना चाहते हैं। हम सभी बर्थडे के दिन को खास बनाने के लिए खास लोकेशन की तलाश करते हैं। अपने किसी खास के साथ इस दिन को सेलिब्रेट करना सबसे अनोखा एहसास होता है। कुछ लोग अपने परिवार या पार्टनर के साथ समय बिताने के लिए किसी सुकून देने वाले जगह पर जाना पसंद करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोलकाता की कुछ ऐसी फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप बर्थडे पार्टी प्लान कर सकते हैं।

प्रिंसेप घाट

हुगली नदी के किनारे प्रिंसेप घाट का दृश्य और शांति से भरा माहौल आपके जन्मदिन को यादगार बना देगा। प्रिंसेप घाट की सुंदरता और ताजगी बर्थडे पार्टी के लिए बेस्ट हो सकती है। अगर आप अपने बर्थडे को अधिक यादगार बनाना चाहते हैं, तो आपको यहां पर सनसेट का दृश्य देखते हुए बर्थडे पार्टी इंजॉय कर सकते हैं। यह जगह सिर्फ दिन में ही नहीं बल्कि रात में भी ज्यादा सुंदर और बेहतरीन हो जाती है। कोलकाता की यह फेमस जगह घूमने के लिए काफी अच्छी है।

पार्क स्ट्रीट

अगर आप भी कोलकाता में बर्थडे पर घूमने के लिए पार्ट स्ट्रीट जाने का प्लान कर सकते हैं। यह कोलकाता के सबसे स्टाइलिश पर्यटक आकर्षणों में से एक है। जोकि फूड स्ट्रीट और नाइट लाइफ हब के लिए फेमस है। अक्सर लोगों को बर्थडे पार्टी राय या शाम के समय प्लान करना पसंद होता है।

इलियट पार्क

बता दें कि इलियट पार्क बैठने और आराम करने के लिए काफी अच्छी जगह है। शहर के केंद्र में स्थित यह पार्क बेहद शांत और हरा-भरा है। यहां का शांतिपूर्ण वातावरण आपका दिल जीत लेगा। बर्थडे पार्टी के लिए आप इस जगह का चयन कर सकते हैं। आप यहां पर घंटों समय बिता सकते हैं। यह पार्क दोपहर में 1 बजे से 4 बजे तक खुला रहता है। ऐसे में आप इस बीच यहां आ सकते हैं। यह कोलकाता का सबसे सुंदर पार्क है। वहीं यह पार्क बच्चों के साथ घूमने के लिए बेहद अच्छी जगह है।

स्वर्ग से भी सुंदर इस जगह पर मिलेगा मानसिक सुकून, रहने-खाने में नहीं खर्च होंगे हजारों रुपए

आज हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाना बजट के अंदर होने के साथ ही आप प्रकृति के बीच समय भी बिता सकेंगे। यहां पर गंगा का कल-कल बहता ठंडा पानी, गंगा आरती, मंदिर, सुंदर घाट आपको मानसिक सुकून देगा।

घर और ऑफिस की जिम्मेदारी संभालने के कारण लोग मशीन की तरह काम करते हैं। ऐसे में इस व्यस्त लाइफस्टाइल के कारण लोग अपने लिए समय निकालना भूल जाते हैं। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को बैलेंस करने के चक्कर में लोग खुद के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं। कई बार लोग काम का इतना ज्यादा प्रेशर ले लेते हैं कि शरीर थक जाता है और दिमाग काम करना बंद कर देता है। ऐसे में आपको फौरन एक ब्रेक लेना चाहिए। क्योंकि यह ब्रेक आपको मानसिक शांति देने के साथ अंदर से हील करने का काम करता है।

इसलिए आपको काम से ब्रेक लेकर किसी ऐसी जगह जाना चाहिए, जहां पर आप खुलकर सांस ले सकें और शांति व सुकून का अनुभव कर सकें। अगर आप भी किसी ऐसी जगह की तलाश में हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाना बजट के अंदर हो और आप प्रकृति के बीच समय भी बिता सकेंगे। दरअसल हम एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर पूरे विश्व भर से लोग योग सिखने के लिए आते हैं। यह जगह और कोई नहीं बल्कि ऋषिकेश है। यहां पर गंगा का कल-कल बहता ठंडा पानी, गंगा आरती, मंदिर, सुंदर घाट और चारों ओर योग व आध्यात्म का नजारा आपको मानसिक सुकून देने का काम करेगा।

इस तरह करें ऋषिकेश जाने की प्लानिंग

दिल्ली से ऋषिकेश जाने के लिए आपको कई बस और ट्रेन मिल जाएंगी। बसों का किराया 300-400 रुपए के बीच होता है। इसके साथ ही ट्रेन के टिकट की कीमत भी करीब-करीब इतना ही होगा।

लोकल ट्रांसपोर्ट

दिल्ली से ऋषिकेश जाकर प्राइवेट कार या फिर कैब के इस्तेमाल की जगह लोकल ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। प्राइवेट कैब जहां आपको 200-300 रुपए खर्च करने होंगे। तो वहीं लोकल ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करने पर आपका खर्चा 40-50 रुपए ही आएगा। बता दें कि आपको ऋषिकेश बस स्टॉप से कई लोकल ट्रांसपोर्ट मिल जाएंगे।

आश्रम में रहें

आप ऋषिकेश में होटल की जगह हॉस्टल में स्टे करें। हॉस्टल की शुरूआत 500 रुपए से होती है। अगर आप राम झूला के पास हैं, तो आपको यहां पर कई आश्रम मिल जाएंगे।

स्ट्रीट फ़ूड का लें मजा

अगर आप चाहें तो राम झूला के पास या लक्ष्मण झूला के पास खाने-पीने के लिए आपको महंगे से लेकर बजट तक में कई पैकेज मिल जाएंगे। आप यहां पर स्ट्रीट फूड का भी मजा ले सकते हैं। आपको यहां पर 100 रुपए में खाने-पीने को काफी कुछ मिल जाएगा।

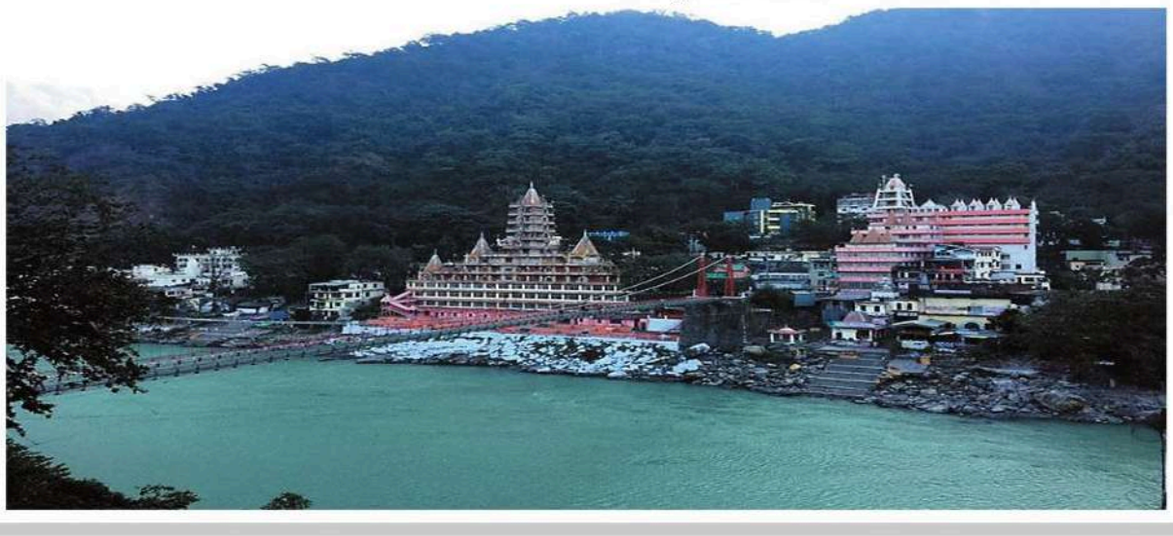

ये सिर्फ फिल्म नहीं, इमोशन है, अल्लू अर्जुन ने पुष्पा 2 की सफलता पर की निर्देशक की तारीफ

तेलुगू स्टार अल्लू अर्जुन ने शनिवार को पुष्पा 2- द रूल की सफलता पर फैंस और निर्देशक का आभार व्यक्त किया। अल्लू अर्जुन ने कहा कि ये सिर्फ एक फिल्म नहीं है बल्कि एक इमोशन है। इसके अलावा अल्लू अर्जुन ने फैंस को और भी गर्व महसूस करवाने का वादा किया है।

पुष्पा 2 को लेकर बोले अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन ने कहा, मेरे लिए पुष्पा 2 एक फिल्म नहीं, बल्कि पांच साल की यात्रा और खूबसूरत सा इमोशन है। मैं फिल्म के पूरे प्रयास और सफलता को अपने सभी प्रशंसकों और अपनी सेना को समर्पित करना चाहता हूं। आपके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद, मैं आप सभी को और भी अधिक गर्व महसूस कराऊंगा, मैं वादा करता हूं। यह एक बहुत अच्छा कदम है। मैं आप सभी को गौरवान्वित महसूस करूंगा।

निर्देशक को दिया श्रेय

अल्लू अर्जुन ने इस समारोह में कहा कि पुष्पा की सफलता के पीछे एक ही आदमी है और वो हैं निर्देशक सुकुमार। यह पूरी तरह से उनकी सफलता है। यह सब उनकी कल्पना है, हम सब उनके पात्र हैं। कहा कि वे निर्देशक सुकुमार के बहुत बड़े प्रशंसक हैं।

सुकुमार की तारीफ की

अल्लू अर्जुन ने निर्देशक सुकुमार को लेकर कहा, हमें जीत दिलाने के लिए आपका बहुत-बहुत शुक्रिया, हमें इतना गौरवान्वित महसूस कराने के लिए पूरे तेलुगु फिल्म उद्योग की ओर से आपका शुक्रिया। हम सभी आपके आभारी हैं। मेरे लिए सुकुमार भी एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक भावना है। मैं आपका सबसे बड़ा प्रशंसक हूं। आप एक अलग किस्म के व्यक्ति हैं। मैं अपने दोस्तों और परिवार को बताता रहता हूं कि मुझे खुशी है कि मैं आपके करीब हूं, आप एक प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं।

छावा का भी किया जिक्र

पुष्पा 2 ने छावा फिल्म का भी जिक्र किया। उन्होंने फिल्म का नाम नहीं लिया, लेकिन कहा कि फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर किसी फिल्म से टकराव न करवाने के लिए धन्यवाद। बता दें कि विक्की कौशल अभिनीत फिल्म छावा 6 दिसंबर, 2024 को रिलीज होने वाली थी।

लोग कहते थे मैं विदेशियों की तरह दिखती हूं

एक्ट्रेस श्रुति हासन अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खुलकर बात करती हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी नाक की सर्जरी और फिलर्स के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि अगर उन्होंने नाक की सर्जरी कराई है, तो उसमें गलत क्या है?

टूटी हुई नाक के साथ की थी पहली फिल्म

श्रुति हासन ने स्वीकार किया कि उन्होंने फिलर्स और नाक की सर्जरी करवाई थी, जो एक चोट के बाद जरूरी हो गई थी। उन्होंने बताया कि जब वह फिल्म इंडस्ट्री में आई थीं, तब उनकी नाक टूटी हुई थी, लेकिन कई लोग इसे बहाना समझ रहे थे। श्रुति ने कहा, मैंने अपनी नाक ठीक करवाई थी और यह साफ था कि मैंने सर्जरी करवाई। मेरी नाक पहले टूटी हुई और अलग थी। मैंने अपनी पहली फिल्म बिना सर्जरी के की थी, फिर लोग कहते थे कि मैं डिविएटेड सेप्टम का बहाना बना रही हूं। लेकिन मेरी नाक में वाकई डिविएटेड सेप्टम (नाक के अंदर स्थित सेप्टम का टेढ़ा या मुड़ा हुआ होना) था और वह बहुत दर्द देता था। अगर मैं इसे सुंदर बना सकती थी, तो मैंने बना लिया। श्रुति हासन ने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने फिलर्स करवाए हैं और यह बताया कि अगर भविष्य में फेसलिफ्ट करवाने का सोचें, तो यह पूरी तरह से उनका फैसला होगा। श्रुति हासन की मानें तो यह उनका शरीर है और इस पर उनका हक है। हालांकि, एक्ट्रेस न तो ऐसी सर्जरी को बढ़ावा देती हैं और न ही इसका विरोध करती हैं। उनका मानना है कि हर किसी को वही करना चाहिए जो उनके लिए सही हो। वह चाहती हैं कि लोग उनके व्यक्तिगत फैसलों की आलोचना करने के बजाय उनके काम पर ध्यान दें।

विदेशियों की तरह लगता है मेरा फेस

श्रुति ने यह भी कहा कि शुरुआत में उनसे कहा गया कि वह एक हीरोइन की तरह नहीं दिखतीं। लोग उनके बारे में कहते थे, श्रुति का चेहरा विदेशियों की तरह दिखता है, उसके पास टैलेंट तो है, लेकिन वह इंडियन की तरह नहीं लगती। हालांकि, जब उन्होंने फिल्में करनी शुरू की, तो उन्हें एक गांव की लड़की का किरदार ज्यादा मिला।

श्रुति ने 1999 में शुरू किया था फिल्मी करियर

श्रुति ने 1999 में अपना करियर शुरू किया था। वह साउथ इंडियन सिनेमा की एक मानी जाती एक्ट्रेस हैं। श्रुति ने डी-डे, रमैया वस्तावैया, गब्बर इज बैक, वेलकम बैक और रॉकी हैंडसम जैसी फिल्मों में काम किया है।

एक्टर नहीं आर्मी ऑफिसर बनना चाहते थे जयदीप

बीते कई दिनों से यह खबरें रही हैं कि एक्टर जयदीप अहलावत ने सीरीज पाताल लोक के दूसरे सीजन के लिए 20 करोड़ रुपए फीस चार्ज की है। जबकि पहले सीजन के लिए उन्होंने सिर्फ 40 लाख रुपए लिए थे। अब इन खबरों पर जयदीप अहलावत ने रिएक्शन दिया है।

फिल्म ज्वेल थीफ में सैफ के साथ दिखेंगे जयदीप

पाताल लोक 2 में जयदीप अहलावत ने इंस्पेक्टर हाथीराम चौधरी का रोल प्ले किया है। पहले सीजन में भी वे इसी किरदार में दिखे थे। सीरीज में उनके अलावा इश्वाक सिंह, तिलोत्तमा शोम जैसे कलाकार भी थे। यह सीरीज फिलहाल अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम कर रही है। वहीं आने वाले समय में जयदीप को नेटफ्लिक्स की फिल्म ज्वेल थीफ में देखा जाएगा। इसमें वे सैफ अली खान के साथ नजर आएंगे। इसके अलावा जयदीप को सीरीज फैमिली मैन के तीसरे सीजन में भी देखा जाएगा। इस सीरीज में मनोज बाजपेयी लीड रोल में हैं।

जयदीप के करियर की बात करें, तो उन्हें बचपन में थिएटर से लगाव था। हालांकि उनका सपना इंडियन आर्मी में जाने का था। लेकिन कई बार SSB का एग्जाम नहीं क्लियर कर पाने के बाद उन्होंने एक्टिंग में ही फ्यूचर बनाने के बारे में सोचा। जयदीप को गैंग्स ऑफ वासेपुर (2012), कमांडो- ए वन मैन आर्मी (2013), गब्बर इज बैक (2015), रईस (2017), राजी (2018), बागी 3 (2020) जैसी फिल्मों में भी देखा गया है।

मुझे प्रैक्टिकल लाइफ पसंद है

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के बेटे जुनैद खान अक्सर पब्लिक ट्रांसपोर्ट का प्रयोग करते हैं। एक बार शूटिंग से लौटते समय वे लोकल ट्रेन से भी यात्रा करके आए थे। इस किस्से के बारे में उन्होंने बताया है। बी-टाउन अभिनेता आमिर खान के बेटे जुनैद खान अपनी फिल्म लवयापा को लेकर चर्चा में हैं। जुनैद खान के साथ लवयापा में खुशी कपूर भी नजर आने वाली हैं। जुनैद भले ही सुपरस्टार के बेटे हैं लेकिन वे कभी भी अपनी लग्जरी को लेकर चर्चा में नहीं रहते हैं। वे अक्सर पब्लिक ट्रांसपोर्ट से ही यात्रा करते हैं। जुनैद खान ने बताया कि वे ज्यादातर पब्लिक ट्रांसपोर्ट से यात्रा करते हैं। साथ ही इसका एक वाजिब कारण भी ही। उन्होंने कहा कि वे प्रेक्टिकल लाइफ पसंद करते हैं। गाड़ियां मुंबई के ट्रैफिक में फंस जाती हैं। ऑटो से कही भी आसानी से जाया जा सकता है। वहीं, जुनैद ने लोकल ट्रेन से भी यात्रा की है। उन्होंने बताया कि लेकिन क्या आप जानते हैं कि आमिर खान के बेटे ने भी लवयापा की शूटिंग खत्म करने के बाद ट्रेन से घर वापसी की थी?

लकी हूं कि सोनू सूद के साथ काम करने का मौका मिला

फिल्म 'फतेह' से करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री कृष्णा प्रकाश पाटिल ने अभिनेता सोनू सूद के साथ काम करने के बारे में खुलकर बात की। उनका मानना है कि कहानी कहने के प्रति सोनू सूद का समर्पण प्रेरणादायक है। कृष्णा पाटिल खुद को लकी मानती हैं क्योंकि उन्हें न केवल अपनी पहली फिल्म में सोनू सूद के साथ काम करने का मौका मिला, बल्कि सूद ने उन्हें गाइड भी किया। उन्होंने कहा, सोनू सर के साथ काम करने का मेरा अनुभव बढ़िया रहा। वह एक प्रतिभाशाली अभिनेता और निर्देशक हैं, जिनके काम में जुनून के साथ ऊर्जा भी है। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में सह-कलाकारों से सर्वश्रेष्ठ अभिनय करवा सकने की उनकी क्षमता की प्रशंसा करती हूं। इसके अलावा, उन्होंने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने में मदद की और कहानी कहने के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायक है। मैं उनके साथ काम करके खुद को लकी मानती हूं। कृष्णा पाटिल विज्ञान में स्नातक करने के बाद एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में किस्मत आजमाने के लिए मुंबई आई थीं। उन्हें अपनी पहली फिल्म के लिए प्रोडक्शन कंपनी से सीधा फोन कॉल आया था। उन्होंने बताया, मैंने पहले सोनू सूद के साथ कुछ विज्ञापनों में काम किया था और उनकी प्रोडक्शन टीम ने मुझे फतेह के ऑडिशन के लिए संपर्क किया। मैं चुनी गई और इस तरह मुझे पहला रोल मिला। अपने बड़े ब्रेक से पहले कृष्णा पाटिल एक मॉडल के रूप में काम कर रही थीं। उन्होंने टीवी, विज्ञापनों, प्रिंट कैंपेन और म्यूजिक वीडियो में काम किया। उनका पहला टेलीविजन विज्ञापन अभिनेता बोमन ईरानी के साथ था। कृष्णा पंजाबी सिंगर और अभिनेता जस्सी गिल के साथ उनके म्यूजिक वीडियो 'नखरे' में भी काम कर चुकी हैं।

'मसान', 'पीकू' जैसी फिल्में असली सिनेमा; सुरजीत सरकार संग काम करने की जताई ख्वाहिश

हाल ही में एक्टर परेश रावल की फिल्म द स्टोरी टेलर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके साथ आदिल हुसैन और रेवती भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में परेश रावल ने एक कहानीकार की भूमिका निभाई है, जो अपनी जिंदगी की सच्चाई को दर्शाता है। खास बातचीत में उन्होंने इस फिल्म के बारे में विस्तार से बात की और अपने करियर के अनुभव भी साझा किए।

द स्टोरी टेलर का हिस्सा बनना बड़ी खुशी

परेश रावल कहते हैं, इतनी बेहतरीन कहानी का हिस्सा बनना बहुत खुशी की बात है। ऐसे मौके जिंदगी में बहुत कम आते हैं। जब अच्छे डायरेक्टर, राइटर, एक्टर और प्रोड्यूसर के साथ काम करने का मौका मिलता है, तो मजा और बढ़ जाता है। फिल्म में काम करते हुए महसूस हुआ कि जब किसी महान लेखक की कहानी पर आधारित फिल्म में काम करने का मौका मिलता है, तो वह गर्व की बात होती है। मैं सत्यजीत रे के काम का गहरा सम्मान करता हूं और उनका बड़ा प्रशंसक रहा हूं। उनके साथ काम करने का मौका नहीं मिला, लेकिन उनकी लिखी कहानी में काम करना भी मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

कोलकाता में शूटिंग का अनुभव

रावल ने कोलकाता में शूटिंग का अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, कोलकाता की भीड़ में एक अलग ही एनर्जी महसूस होती थी। लोग बहुत वॉर्म और बेहतरीन हैं, वहां कोई पल डल नहीं लगता। यह शहर अपने आप में एक सांस्कृतिक नगरी है। यहां हर जगह आपको दिलचस्प किरदार मिल जाते हैं। जहां इतने महान कलाकारों ने काम किया हो, वो जगह अपने आप में खास होती है।

मुझे पीकू, मसान और जोरम जैसी फिल्में पसंद हैं

परेश रावल ने हाल ही में कुछ फिल्में देखीं, जो उन्हें बेहद पसंद आईं। उन्होंने कहा, जोरम और थ्री ऑफ अस दिल को छू लेने वाली फिल्में हैं। वहीं, मसान और पीकू सिर्फ मनोरंजन नहीं देतीं, बल्कि सोचने पर भी मजबूर करती हैं। मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं, जो किसी दूसरी दुनिया में ले जाएं और हमेशा याद रह जाएं।

इंडस्ट्री में बदलाव

परेश रावल ने इंडस्ट्री में आए बदलाव पर भी बात की। उन्होंने कहा, आसपास के लोगों का बिहेवियर सबसे ज्यादा बदला है। वर्क एथिक्स में सुधार हुआ है। अब फिल्में एक लिमिटेड टाइम फ्रेम में पूरी होती हैं, सबका डिसिप्लिन बढ़ा है। हीरो भी अब वर्क ओरिएंटेड हो गए हैं। ये सब बहुत पॉजिटिव बदलाव हैं।

इन डायरेक्टर्स के साथ काम करने की ख्वाहिश

परेश रावल ने बताया कि उनकी विशलिस्ट में कुछ खास डायरेक्टर्स हैं, जिनके साथ वे काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, नीरज घायवान और सुरजीत सरकार के साथ काम करने की ख्वाहिश है। इनकी फिल्मों में गहराई और कंटेंट कमाल का होता है। अविनाश अरुण, जिन्होंने थ्री ऑफ अस बनाई, उनके साथ भी काम करना चाहता हूं। अभी मैं आदित्य सरपोतदार के साथ थामा कर रहा हूं और लगता है कि उनके साथ और भी फिल्में करनी चाहिए। मुझे वही कहानियां पसंद हैं, जो असली लगें, लॉजिकल हों और इमोशंस से भरी हों। ऐसी फिल्में जो कुछ नया सिखाएं और देखने के बाद लगे कि वाकई कुछ अच्छा देखा।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267